हिंदी–विभाग

दिल्ली विश्वविद्यालय

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार

परीक्षा–योजना तथा पाठ्यक्रम

सेमेस्टर स्कीम

जुलाई, 2011 से आरंभ

परीक्षा–योजना तथा पाठ्यक्रम

विद्वत् परिषद् और कार्यकारी परिषद् की बैठक दिनांक 25 अप्रैल, 2011 में पारित

शिक्षा–वर्ष 2011 में बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम

दिल्ली विश्वविद्यालय

विभाग का नाम : हिंदी

पाठ्यक्रम : बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार

सेमेस्टर–1	प्रश्नपत्र–1ः संचार, जनसंख्या और जनमाध्यम
	प्रश्नपत्र–2ः माध्यम और भाषा
	प्रश्नपत्र–3ः समवर्ती – भाषा योग्यता
सेमेस्टर–2	प्रश्नपत्र–4ः सांस्कृतिक और अस्मितामूलक विमर्श और मीडिया
	प्रश्नपत्र–5ः इलैक्ट्रोनिक संचार के विद्यारूप
	प्रश्नपत्र–6ः समवर्ती – क्रेडिट योग्यता

सेमेस्टर–3	प्रश्नपत्र–7ः कम्प्यूटर और इंटरनेट
	प्रश्नपत्र–8ः संपादन और रिपोर्टिंग
	प्रश्नपत्र–9ः समवर्ती – अंतः विषय
सेमेस्टर–4	प्रश्नपत्र–10ः माध्यम, आचार सहिंता और कानून
	प्रश्नपत्र–11ः विज्ञापन
	प्रश्नपत्र–12ः जनसंपर्क
	प्रश्नपत्र–13ः समवर्ती – अनुशासन केन्द्रित–1

सेमेस्टर–5	प्रश्नपत्र–14ः प्रिंट माध्यम
	प्रश्नपत्र–15ः रेडियो
	प्रश्नपत्र–16ः टेलीवीजन
	प्रश्नपत्र–17ः सिनेमा
सेमेस्टर–6	प्रश्नपत्र–18ः भारतीय पत्रकारिता का परिदृश्य और इतिहास
	प्रश्नपत्र–19ः परियोजना
	प्रश्नपत्र–20ः प्रशिक्षण कार्यक्रम
	प्रश्नपत्र–21ः समवर्ती – अनुशासन केन्द्रित–2

SEMESTER BASED UNDER-GRADUATE HONOURS COURSES

Distribution of Marks & Teaching Hours

The Semester-wise distribution of papers for the B.A. (Honours), B.Com. (Honours), B. Com., B.Sc. (Honours) Statistics and B.Sc. (Honours) Computer Science will be as follows:

Type of Paper	Max. Marks	Theory Exam.	I.A.	Teaching per week
Main Papers	100	75	25	5 Lectures 1 Tutorial
Concurrent Courses	100	75	25	4 Lectures 1 Tutorial
Credit Courses for B.Sc.(Hons.) Mathematics	100	75	25	4 Lectures 1 Tutorial

- Size of the Tutorial Group will be in accordance with the existing norms.
- The existing syllabi of all Concurrent/Credit Courses shall remain unchanged.
- The existing criteria for opting for the Concurrent /Credit Courses shall also remain unchanged.

हिंदी-विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम
सेमेस्टर योजना, 2011 से प्रस्तावित

पाठ्यक्रम प्रस्तावना

वर्षों पूर्व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (U.G.C.) ने राजभाषा हिंदी के प्रयोजनपरक पक्ष को मज़बूत बनाने के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों के हिंदी विभागों के अंतर्गत कई नए पाठ्यक्रम शुरू किए थे, जिनमें हिंदी पत्रकारिता, अनुवाद और प्रयोजनमूलक हिंदी के पाठ्यक्रम शामिल थे। राजभाषा कार्यान्वय की उसी योजना के अंतर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय में हिंदी पत्रकारिता (ऑनर्स) का पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया था। शुरू में यह कोर्स एक कॉलेज में लागू किया गया, लेकिन पाठ्यक्रम में निहित रोजगारपरक संभावनाओं के कारण यह कोर्स काफी लोकप्रिय हुआ और अब यह पाठ्यक्रम विभाग की निगरानी में चार कॉलेजों में सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है। यही नहीं इस पाठ्यक्रम की मांग कई अन्य कॉलेज लगातार कर रहे हैं। सर्वविदित है कि जनसंचार के क्षेत्र में बड़ी तेजी से बदलाव आ रहा है। हम आज जिस सूचना युग में रह रहे हैं, उसमें न केवल नई-नई सूचना तकनीकों का विकास हो रहा है बल्कि जनमाध्यमों की नई सैद्धांतिकी भी विकसित हो रही है। पत्रकारिता एवं जनसंचार की सभी नई तकनीकों और सैद्धांतिकियों से परिचित कराने में वर्तमान पाठ्यक्रम में ठहराव का अनुभव किया जा रहा था। इसीलिए उसे वर्तमान परिप्रेक्ष्य के अनुरूप बदलने की आवश्यकता महसूस हुई।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम अपने नए प्रारूप में पत्रकारिता एवं जनसंचार क्षेत्र की अद्यतन आवश्यकताओं को न केवल पूरा करने वाला है अपितु हिंदी के भावी विद्यार्थी को पूर्णत: 'प्रोफेशनल' बनाने की संभावना पैदा करता है। प्रस्तावित नया पाठ्यक्रम प्रिंट मीडिया के अलावा सही दृश्य-श्रव्य माध्यमों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है ताकि नया विद्यार्थी-वर्ग अपनी सांस्कृतिक पहचान बनाए रखते हुए नई तकनीकों एवं माध्यमों में प्रशिक्षित हो सके। प्रस्तावित पाठ्यक्रम में अनिवार्य परियोजना के प्रावधान के साथ-साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम को भी अनिवार्य बनाया गया है। हर प्रश्नपत्र में व्यावहारिक प्रशिक्षण का प्रावधान इस पाठ्यक्रम को ज्यादा व्यावहारिक और भविष्योन्मुखी बनाता है। निश्चित ही इस प्रस्तावित पाठ्यक्रम से एक समर्थ प्रोफेशनल पत्रकार/मीडियाकर्मी के शैक्षणिक व्यक्तित्व का निर्माण किया जा सकता है।

नोट : प्रत्येक सत्र के आरंभ में संबद्ध महाविद्यालयों के प्रभारी शिक्षक हिंदी–विभाग के निरीक्षण में उस सत्र की पाठ–योजना प्रस्तावित करेंगे जिनके आधार पर अध्ययन–अध्यापन और परीक्षा होगी।

प्रश्नपत्रों का क्रम इस प्रकार होगा :

प्रश्नपत्र–1	:	संचार, जनसंचार और जनमाध्यम
प्रश्नपत्र–2	:	माध्यम और भाषा
प्रश्नपत्र–3	:	समवर्ती पाठ्यक्रम – भाषा योग्यता
प्रश्नपत्र–4	:	सांस्कृतिक और अस्मितामूलक विमर्श और मीडिया
प्रश्नपत्र–5	:	इलेक्ट्रॉनिक संचार के विधा रूप
प्रश्नपत्र–6	:	समवर्ती पाठ्यक्रम – केडिट योग्यता
प्रश्नपत्र–7	:	कम्प्यूटर और इंटरनेट
प्रश्नपत्र–8	:	संपादन और रिपोर्टिंग
प्रश्नपत्र–9	:	समवर्ती पाठ्यक्रम – अंतः विषय
प्रश्नपत्र–10	:	माध्यम, आचार–संहिता और कानून
प्रश्नपत्र–11	:	विज्ञापन
प्रश्नपत्र–12	:	जनसंपर्क
प्रश्नपत्र–13	:	समवर्ती पाठ्यक्रम – अनुशासन केन्द्रित–1
प्रश्नपत्र–14	:	प्रिंट माध्यम
प्रश्नपत्र–15	:	रेडियो
प्रश्नपत्र–16	:	टेलीविज़न
प्रश्नपत्र–17	:	सिनेमा
प्रश्नपत्र–18	:	भारतीय पत्रकारिता का परिदृश्य और इतिहास
प्रश्नपत्र–19	:	परियोजना कार्य
प्रश्नपत्र–20	:	प्रशिक्षण कार्यक्रम
प्रश्नपत्र–21	:	समवर्ती पाठ्यक्रम – अनुशासन केन्द्रित–2

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम

सेमेस्टर-I

प्रश्नपत्र-1 : संचार, जनसंचार और जनमाध्यम

1. संचार : परिभाषा, प्रक्रिया, माध्यम और विकास
2. जनसंचार : अर्थ, परिभाषा और विशेषताएँ – जनसंस्कृति और जनसंचार
3. जनमाध्यम की सैद्धान्तिकी – मनोशास्त्रीय सैद्धान्तिकी, मार्क्सवादी सैद्धान्तिकी, लोकतांत्रिक भागीदारी सिद्धान्त
4. पत्रकारिता और जनसंचार – सामाजिक परिवर्तन में पत्रकारिता का योगदान, जनमाध्यम, भूमंडलीकरण और जनमाध्यम, समकालीन मीडिया परिदृश्य, पीत पत्रकारिता

व्यावहारिक परीक्षा किसी सिद्धांत-संदर्भित विषय पर 3000 शब्दों में एक आलेख

संदर्भ ग्रंथ :

1. संस्कृति विकास और संचार क्रांति – पूरनचंद्र जोशी
2. मेनी वायसेज, वन वर्ल्ड – सीन मैक्रबाइड
3. ब्राइडकास्टिंग एंड दि पीपुल – मेहरा, मसानी
4. जनमाध्यम सैद्धान्तिकी – सुधा सिंह
5. हिंदी पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका – जगदीश्वर चतुर्वेदी
6. दूरदर्शन : विकास से बाज़ार तक – सुधीश पचौरी
7. भूमंडलीय जनमाध्यम : एडवर्ड एस. हरमन – रॉबर्ट डब्ल्यू. मैकचेस्नी
8. संचार के सिद्धांत – अर्मांड मैतेलार्त, मिशेल मैतेलार्त

प्रश्नपत्र-2 : माध्यम और भाषा

1. प्रिंट माध्यम की भाषा – हिंदी अखबारों तथा पत्र-पत्रिकाओं में भाषा का बदलता स्वरूप, प्रिंट माध्यमों में अनुवाद की भाषा
2. इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की भाषा – रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा, इंटरनेट तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में अनुवाद की भाषा
3. माध्यमों में भाषा समस्या : साहित्यिक भाषा, समकालीन माध्यमों में भाषा, भाषागत शुद्धता-अशुद्धता संबंधी समस्याएँ, मीडिया की भाषा का समकालीन रूप (सोदाहरण)
4. माध्यमों में प्रचलित महत्वपूर्ण तकनीकी पदावली

व्यावहारिक कार्य (3000 शब्दों में एक आलेख)

1. उच्चारण और वाचन शैली
2. एंकरिंग
3. प्रूफ रीडिंग
4. माध्यमों में विधागत अनुवाद, भाषायी अनुवाद

संदर्भ ग्रंथ :

1. द लैंग्वेज ऑफ न्यू मीडिया – लेक मैनोविच
2. कल्चर, मीडिया, लैंग्वेज – स्टुअर्ट हाल
3. कम्प्यूटर एसिसटेड लैंग्वेज लर्निंग; मीडिया, डिजाइन एंड एप्लीकेशंस – कीथ कैमेरॉन
4. आज की दुनिया में सूचना पद्धति – मार्क पोस्टर

प्रश्नपत्र-३

समवर्ती पाठ्यक्रम – भाषा योग्यता

सेमेस्टर-II

प्रश्नपत्र-4 : <u>सांस्कृतिक और अस्मितामूलक विमर्श तथा मीडिया</u>

1. अस्मिता और पहचान के सवाल – परंपरागत संस्कृति और पॉपुलर-संस्कृति की अवधारणा, लोक-संस्कृति, राष्ट्रीय संस्कृति, भारतीय स्त्री, दलित, अल्पसंख्यक, आदिवासी
2. जेंडर, समानता और स्त्री-विमर्श
   संवैधानिक प्रावधान, माध्यम, आचार-संहिता
3. माध्यम व्यवहार – अस्मितामूलक कोटियाँ और माध्यमों में प्रस्तुतियाँ
   (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के संदर्भ में)
4. माध्यम साम्राज्यवाद :
   सामाजिक आंदोलन और मीडिया-संस्कृति, जन-संस्कृति और पॉपुलर कल्चर, जनमाध्यमों का बाज़ार

<u>व्यावहारिक कार्य</u> (3000 शब्दों में एक आलेख)

1. अस्मितामूलक, सांस्कृतिक और भूमंडलीय माध्यमों की अंतर्वस्तु की केस स्टडी

संदर्भ ग्रंथ :

1. पॉपुलर कल्चर – सुधीश पचौरी
2. माध्यम साम्राज्यवाद – जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ – सुधा सिंह
4. टेलीविजन प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक रूप – रेमण्ड विलियम्स

प्रश्नपत्र-5 : इलेक्ट्रॉनिक संचार के विधारूप

1. संचार माध्यम के रूप में रेडियो, आकाशवाणी और एफ.एम. का संगठन, रेडियो के लिए कार्यक्रम-निर्माण, समाचार-वाचन, घटनास्थल पर रिपोर्टिंग, साक्षात्कार, एफ.एम. रेडियो के लिए कार्यक्रम प्रस्तुति, कम्युनिटी रेडियो, प्रसार भारती, फीचर, फोन-इन
2. टेलीविजन : संचार माध्यम के रूप में टेलीविजन का विकास, सूचना क्रांति और निजी टेलीविजन चैनल, टी.वी. कार्यक्रमों के विविध प्रारूप (धारावाहिक, वृत्तचित्र, रिएलिटी शोज़, हास्य कार्यक्रम, टॉक शो, समाचार-आधारित कार्यक्रम, टी.वी. के लिए कार्यक्रम-निर्माण, कार्यक्रम-संयोजन और स्वरूप, रिपोर्टिंग, संपादन, साक्षात्कार, परिचर्चा
3. सिनेमा : सिनेमा की विकास-यात्रा और हिंदी सिनेमा, संचार माध्यम के रूप में सिनेमा, फिल्म-निर्माण की प्रक्रिया और तकनीक, सिनेमेटोग्राफी, फिल्म संपादन, पटकथा-लेखन

व्यावहारिक कार्य

1. (क) किसी रेडियो कार्यक्रम, टी.वी. कार्यक्रम की 3000 शब्दों में समीक्षा (अंतर्वस्तु एवं तकनीकी पक्ष)

   (ख) सत्यजीत रे, श्याम बेनेगल (अंकुर), मिर्ज़ा ग़ालिब, सारांश (महेश भट्ट), राजकपूर (मेरा नाम जोकर), शोले, मदर इण्डिया (महबूब), उमराव जान (मुजफ्फर अली), लगान, रंग दे बसंती (आमिर खान), चक दे इंडिया (यशराज), तमस, नुक्कड़, स्वामी या किसी लोकप्रिय फिल्म की समीक्षा (अंतर्वस्तु एवं तकनीकी पक्ष)

   (नोट : फिल्मों के पाठ विभाग द्वारा भविष्य में बदले जा सकते हैं।)

संदर्भ ग्रंथ :

1. दि टेलीविजन स्टडीज रीडर – रॉबर्ट क्लाइड एलेन, एनीट हिल
2. अण्डरस्टैंडिंग रेडियो – एंड्रयू क्रीसेल
3. इमिटेशंस ऑफ लाइफ : ए रीडर ऑन फिल्म एंड टेलीविजन मेलोड्रामा
4. जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधारा – जगदीश्वर चतुर्वेदी
5. हिंदी सिनेमा का इतिहास - मनमोहन चड्ढा

प्रश्नपत्र-६

समवर्ती पाठ्यक्रम – क्रेडिट योग्यता

सेमेस्टर-III

प्रश्नपत्र-7 : <u>कम्प्यूटर और इंटरनेट</u>

1. कम्प्यूटर का परिचयात्मक इतिहास, कम्प्यूटर के घटक - हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, कम्प्यूटर परिचालन प्रणालियाँ - विंडोज़, मैकिंटोश एप्पल, लाइनैक्स
2. विंडोज एम.एस. ऑफिस के अनुप्रयोग --

   पावर प्वायंट, वर्ड, पब्लिशर, एक्सेल, एक्सैस
3. डी.टी.पी.

   एडोब पेज मेकिंग, पीडीएफ, पेजमेकर, सी-डैक सॉफ्टवेयर,

   विविध फॉन्ट पद्धति, कम्प्यूटर में देवनारी लेखन, हिंदी समाचार-पत्रों के फॉन्ट्स

   यूनिकोड पद्धति में हिंदी में लेखन, कन्वर्टर
4. कम्प्यूटर और मल्टी-मीडिया सॉफ्टवेयर
   - क्वार्क एक्सप्रेस
   - फोटोशॉप
   - कोरल ड्रा
   - ऑक्टोपस
   - आई पैड
5. इंटरनेट का इतिहास, इंटरनेट के विविध प्रयोग
   - ई-पेपर, वेब पत्रिकाएँ, हिंदी ब्लॉग, हिंदी पोर्टल
   - ई-मेल, वीडियो कांफ्रेंसिंग
   - ई-कंटेंट का विकास
   - हिंदी विकीपीडिया

व्यावहारिक कार्य

1. पृष्ठ–निर्माण
2. छात्राओं द्वारा वेबसाइट–निर्माण
3. हिंदी ब्लॉग का निर्माण
4. ई–पेपर निर्माण
5. Power Point Presentation

– ई–पत्रिका कॉलेज की ओर से निकाली जाए
– किसी भी एक विषय पर प्रत्येक छात्र द्वारा Power Point Presentation

संदर्भ ग्रंथ :

1. डिक्शनरी ऑफ कम्प्यूटर एण्ड इंटरनेट वर्ड्स : एन ए टू जेड गाइड टू हार्डवेयर, एमेरिकन हेरिटेज डिक्शनरी रेफरेंस
2. द इंटरनेट बुक : एवरीथिंग यू नीड टू नो एबाउट कम्प्यूटर नेटवर्किंग एण्ड हाउ द इंटरनेट वर्क्स, डगलस ई कॉमर
3. रैण्डम हाऊस वबस्टर्स कम्प्यूटर एण्ड इंटरनेट डिक्शनरी – फिलीप ई मार्गोलिस
4. हाइपरटेक्स्ट वर्चुअल रिएलिटी और इंटरनेट – जगदीश्वर चतुर्वेदी

प्रश्नपत्र-8 : <u>संपादन और रिपोर्टिंग</u>

1. समाचार की परिभाषा और महत्व, समाचारों के आवश्यक तत्व और स्रोत, हिंदी और अंग्रेजी की प्रमुख समाचार एजेंसियाँ
2. रिपोर्टिंग के सिद्धांत, प्रकार्य और उत्तरदायित्व, रिपोर्टिंग तकनीक
3. संवाददाता, अर्हताएँ, उत्तरदायित्व और कार्य, विभिन्न क्षेत्रों की रिपोर्टिंग – राजनीतिक, आर्थिक, अपराध, विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, खोजी, पर्यटन, पत्रकारिता इत्यादि।
4. संपादन का अर्थ, उद्देश्य, सिद्धांत की प्रक्रिया, संपादक के कार्य एवं संपादकीय विभाग की संरचना, ऑनलाइन संपादन, वीडियो संपादन, फोटो और कार्टून

<u>व्यावहारिक कार्य</u>

1. संपादन/रिपोर्टिंग के विशेष उदाहरणों की समीक्षा (3000 शब्दों में)

संदर्भ ग्रंथ :

1. टेक्स्टबुक ऑफ एडीटिंग एण्ड रिपोर्टिंग – एम.के. जोसेफ
2. न्यूज एडीटिंग एण्ड रिपोर्टिंग – मधुर सेल्वराज
3. न्यूजपेपर राइटिंग एण्ड एडीटिंग – विलियम ग्रोसवेनर ब्लेयर
4. द एडीटोरियल आई – जैन टी. हैरिंगटन, करेन ब्राउन डनलप

प्रश्नपत्र-९

समवर्ती पाठ्यक्रम – अंतः विषय

सेमेस्टर-IV

प्रश्नपत्र-10: **माध्यम, आचार-संहिता और कानून**

1. लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, संविधान में निहित अधिकार और सीमाएँ, पत्रकारों के लिए आचार-संहिता, आपात्काल (भारत में)
2. प्रमुख प्रेस कमीशन और उनकी सिफारिशें, पालेकर, बच्छावत आदि कमीशन।
3. भारत के प्रेस कानून –
   – श्रमजीवी पत्रकार कानून
   – संसदीय विशेषाधिकार
   – प्रेस काउंसिल कानून
   – सरकारी गोपनीयता कानून, आपत्तिजनक सामग्री, प्रकाशन अधिनियम
   – सूचना का अधिकार
   – कॉपीराइट, इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी अधिकार
   – मानहानि कानून, साइबर कानून, सेंसरशिप, स्टिंग ऑपरेशन

व्यावहारिक कार्य

1. विभिन्न प्रेस कानूनों पर आधारित समकालीन केस स्टडी करने वाला एक आलेख (3000 शब्द)

संदर्भ ग्रंथ :

1. मीडिया एफिक्स एण्ड अनकाउंटेबिलिटी सिस्टम्स – क्लाद ज्यां ब्रट्रैण्ड
2. होल्डिंग द मीडिया अनकाउंटेबल : सिटिजन्स, एथिक्स एंड दि लॉ, डेविड हेमिंग्स

प्रश्नपत्र-11 : <u>विज्ञापन</u>

1. विज्ञापन : परिभाषा, उद्‌भव और विकास, विशेष संदर्भ : भारत
2. विज्ञापन उद्योग
3. विज्ञापन-निर्माण की प्रक्रिया, विज्ञापन के प्रकार – संस्थानिक, सरकारी और गैर-सरकारी, विभिन्न माध्यम और विज्ञापन, विज्ञापन की भाषा
4. ब्राण्ड – अवधारणा, निर्माण, बाजार, भारतीय बाजार के प्रमुख ब्राण्ड

<u>व्यावहारिक कार्य</u> : किसी विज्ञापन की समग्र समीक्षा/किसी विज्ञापन का निर्माण (3000 शब्द)

संदर्भ ग्रंथ :

1. एडवरटाइजिंग मेड सिंपल – फ्रैंक जेफकिन्स
2. रिवैल्यूएशन एडवरटाइजिंग एण्ड पब्लिक रिलेशन इन इंडिया – अरुण चौधरी
3. डिजिटल युग में मासकल्चर और विज्ञापन – सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी
4. संरचनावाद उत्तरसंरचनावाद – सुधीश पचौरी

प्रश्नपत्र-12 : <u>जनसंपर्क</u>

1. जनसंपर्क की अवधारणा और प्रकार्य, जनसंपर्क और संचार, विभिन्न संचार सैद्धान्तिकियाँ।
2. जनसंपर्क विभाग का संगठन, सरकारी और गैर-सरकारी विभागों का संगठन, जनसंपर्क अधिकारी।
3. जनसंपर्क और उद्योग, सामाजिक तनाव और जनसंपर्क, जनसंपर्क और राजनीति।

<u>व्यावहारिक कार्य</u> : सरकारी और गै़र-सरकारी विभागों के संगठन से संबंधित।

नोट : प्रत्येक सत्रारंभ में संबद्ध महाविद्यालयों के प्रभारी उपर्युक्त बिंदुओं की विस्तृत पाठ-योजना हिंदी-विभाग के निरीक्षण में निर्धारित करेंगे जो अध्ययन-अध्यापन और परीक्षा का आधार होगी।

संदर्भ ग्रंथ :

1. Newsom and Carrell, Public Relation Writing
2. Otto Lerbinger, Managin Corporate Crisis, Bostan; Banington Press, 1986
3. Wilbur Schramm, Men, Messages and Media : a look at Human Communication.

प्रश्नपत्र-१३

समवर्ती पाठ्यक्रम – अनुशासन केन्द्रित–1

सेमेस्टर-V

प्रश्नपत्र-14 : प्रिंट माध्यम

1. दैनिक अखबार-निर्माण की प्रक्रिया – समाचार स्रोत, समाचार-संग्रह, समाचार-लेखन, समाचार-पत्र का ढाँचा, समाचार-पत्र के विभिन्न संस्करण, क्षेत्रीय संस्करण
   संपादकीय बोर्ड – संगठन एवं कार्यप्रणाली, संपादन
   ऑनलाइन समाचार-पत्र – स्वरूप, ऑनलाइन समाचार सामग्री-संकलन एवं स्रोत, ऑनलाइन समाचार लेखन एवं संपादन
2. समाचार-पत्र और मार्केटिंग विभाग – मार्केटिंग विभाग का ढाँचा एवं कार्यप्रणाली, मार्केटिंग एवं संपादकीय विभाग का अन्तस्सम्बन्ध, वितरण की प्रक्रिया

   डिजाइनिंग विभाग – ढाँचा, कार्यप्रणाली, समाचार-पत्र की पृज़्ठ सज्जा, मेकअप, ले आउट एवं डिजाइन
3. अखबार : उत्पाद या ब्राण्ड – अखबार और विज्ञापन का अन्तस्सम्बन्ध
   परिष्ठिाज़्ट की अवधारणा, परिष्ठिाज़्ट सामग्री संकलन एवं निर्माण, कन्टेंट राइटिंग, परिष्ठिाज़्ट
4. संपादन, प्रमुख हिंदी पत्र-पत्रिकाओं (दैनिक हिंदुस्तान, नवभारत टाइम्स, दैनिक भास्कर, इंडिया टुडे एवं आउटलुक इत्यादि) का स्वरूप विवेचन

<u>व्यावहारिक कार्य</u> : निम्नलिखित में से किसी एक पर परियोजना कार्य

1. आठ पृज़्ठ के समाचार-पत्र की डमी का निर्माण
2. सोलह पृज़्ठ की पत्रिका की डमी का निर्माण
3. परिष्ठिाष्ट पृष्ठों का निर्माण

संदर्भ ग्रंथ :

1. मेकिंग ए न्यूजपेपर – जॉन ला पोर्टे गिवेन
2. एडवरटाइजिंग एण्ड इंटिग्रेटेड ब्राण्ड प्रमोशन, थॉमस ओगुइन, क्रिस एलेन, रिचर्ड जे. सेमेनिक
3. डिजिटाइजिंग द न्यूज : इनोवेशन इन ऑनलाइन न्यूजपेपर्स – पाब्लो जे. बॉज़्कोवस्की
4. न्यूजपेपर मार्केटिंग इन इंडिया : ए फोकस ऑन द लैंग्वेज प्रेस – एन.वी.आर. ज्योतिकुमार

प्रश्नपत्र-15 : रेडियो

I. 1. जनमाध्यम के रूप में रेडियो – अर्नहाइम, मसानी आदि
   2. लोकसेवा तथा व्यावसायिक रेडियो
   3. निजीकरण व स्वायत्तता का प्रश्न
   4. कम्यूनिटी रेडियो

II. रेडियो तकनीक व संपादन
   1. ए.एम., एफ.एम. Software, एनालॉग व डिजीटल प्रसारण
   2. रेडियो स्टूडियो का ढाँचा व प्रकार, रिकॉर्डिंग के विभिन्न उपकरण

III. कार्यक्रम-निर्माण की प्रक्रिया व कार्यक्रम संपादन, समाचार बुलेटिन, रेडियो, साक्षात्कार, फीचर संगीत-आधारित कार्यक्रम, विज्ञापन, पटकथा

IV. रेडियो प्रबंधन
   1. रेडियो का अर्थतंत्र
   2. आकाशवाणी और एफ.एम. प्रबंधन
   3. विपणन और वितरण
   4. रेडियो-श्रोता निर्माण, ग्राम्य श्रोता, शहरी श्रोता, श्रोता और रेडियो की अंतर्क्रिया

<u>व्यावहारिक कार्य</u>

– रेडियो समाचार बुलेटिन
– साक्षात्कार
– नाट्यकृति का रेडियो रूपांतरण
– फीचर
– विज्ञापन

उपर्युक्त में से किसी एक पर सी.डी. का निर्माण (अधिकतम 30 मिनट)

संदर्भ ग्रंथ :

1. दि रेडियो – गेल वोर्लैण्ड
2. दिस इज ऑल इंडिया रेडियो – ए हैण्डबुक ऑफ रेडियो ब्रॉडकास्टिंग इन इंडिया – यू.एल. बरुआ
3. अदर व्यॉएजेज़ : दि स्ट्रगल फॉर कम्युनिटी रेडियो इन इंडिया – विनोद पवराला, कंचन के. मलिक

प्रश्नपत्र-16 : टेलीविज़न

1. माध्यम के रूप में टेलीविजन

   रेमण्ड विलियम्स, मार्शल मैकलुहान, जॉन फिस्के, पियरे बोर्दियो

   – टेलीविजन का भारतीय परिप्रेक्ष्य

   – पी.सी. जोशी कमेटी की रिपोर्ट

   – टेलीविजन समाचार, टेलीविजन-दर्शक, टेलीविजन और मानवाधिकार के प्रश्न, टीआरपी और टेलीविजन बाजार

2. टेलीविजन तकनीक एवं प्रोडक्शन

   टेलीविजन स्टूडियो संरचना – प्रोड्यूसर, डायरेक्टर, कैमरा-तकनीक, कैमरामैन, शॉट विभाजन प्रक्रिया, ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग, मेकअप मैन, एडीटिंग, फ्लोर मैनेजर, प्रकाश-व्यवस्था, सेट डिजाइनर, ध्वनि-प्रभाव, इनडोर और आउटडोर प्रोडक्शन, सिंगल कैमरा और मल्टी कैमरा प्रोडक्शन

3. टेलीविजन पटकथा

   टेलीविजन पटकथा लेखन – टेलीफिल्म, धारावाहिक, समाचार, विज्ञापन, टेली-प्ले, कॉमेडी-शो, टॉक-शो, रिएलिटी-शो, एंकरिंग, नृत्य-गायन प्रतियोगिताएँ, शूटिंग स्क्रिप्ट लेखन, लाइव-टेलीकास्ट और रिपोर्टिंग आदि

व्यावहारिक कार्य

उक्त विषयों से संबंधित सी.डी. निर्माण (अधिकतम 30 मिनट) साक्षात्कार

संदर्भ ग्रंथ :

1. भूमंडलीकरण और ग्लोबल मीडिया
2. लोकतंत्र और वैकल्पिक मीडिया : नॉम चॉमस्की
3. संचार माध्यम और सांस्कृतिक वर्चस्व – हरबर्ट आई शिलर
4. जनमाध्यम – पीटर गोल्डिंग

प्रश्नपत्र-17 : सिनेमा

1

– सिनेमा के विविध रूप :

(क) पॉपुलर हिंदी सिनेमा – धार्मिक, पौराणिक, ऐतिहासिक, मनोरंजनमूलक, कार्टून, ट्रेजेडी, कॉमेडी, हॉरर, बाल फिल्में, एनीमेशन आदि

(ख) ऑफ बीट नृत्य और संगीत, हिंदी सिनेमा और क्रॉसओवर

– सिनेमा पटकथा

– सिनेमा का बजट और बाज़ार

2 सिनेमा : निर्माण-प्रक्रिया

– फ्रेम, शॉट डिवीजन (दृश्य-विभाजन), विभिन्न कैमरा, कैमरा मूवमेंट, कैमरा एंगल, कैमरा ट्रिक्स, लैंस के द्वारा स्पेशल इफेक्ट, स्टिल फोटोग्राफी

– डबिंग और वॉयस ओवर, पोस्ट प्रोडक्शन

3 सिनेमा : तकनीक और निर्देशन

– प्रोड्यूसर, निर्देशन, निर्देशन-प्रक्रिया और प्रकार्य –

मुख्य सहायक निर्देशक, सहायक निर्देशक-1, सहायक निर्देशक-2, कन्टीन्यूटी ब्वॉय, कॉस्ट्यूम निर्देशक, फिल्म संपादक, कैमरामैन, लाइटिंग, लोकेशन हंटिंग (Reccee) प्रोडक्शन कंट्रोलर, परिधान परिकल्पना आदि

व्यावहारिक परीक्षा

– सामान्य हैण्डीकैम पर वीडियो फिल्म-निर्माण (10 मिनट)

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी सिनेमा के सौ बरस – सं. मृत्युंजय
2. Abbas, Khwaja Ahmad, Bombay my Bombay! The Love Story of the city Delhi : New Ajanta, 1987
3. Donald Albercht, Donald, Designing Dreams : Modern Architecture and the movies.
4. बॉम्बे सिनेमा – रजनी मजूमदार

सेमेस्टर-VI

प्रश्नपत्र-18 : भारतीय पत्रकारिता का परिदृश्य और इतिहास

1. भारतीय पत्रकारिता का आरंभ और भाषाई प्रेस, अंग्रेजी प्रेस की भूमिका (राष्ट्रीय जागरण के दौर में)
2. हिंदी प्रेस के उदय की परिस्थितियाँ, प्रमुख स्थान बिंदु, नवजागरणकालीन प्रेस, तकनीक के विकास का परिदृश्य, प्रेस और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, प्रेस और राष्ट्रीय स्वतंत्रता, प्रेस और राष्ट्रवाद, प्रेस और सामाजिक विभाजन, पत्रकारिता और साहित्य की अंतर्क्रियाएँ।
3. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी प्रेस, साहित्यिक पत्रकारिता; लोकप्रिय पत्रिका संस्कृति, जीवनशैली केंद्रित पत्रकारिता, राजनीतिक पत्रकारिता, विचार पत्रकारिता
4. ऑनलाइन पत्रकारिता – आरंभ, विकास, विशेषताएँ।
   प्रेस मुद्रण तकनीक से हाइपरटेक्स्ट तक की यात्रा, रियल टाइम, पत्रकारिता की चुनौतियाँ।
   परंपरागत संचार-लोकसंचार के रूप और रंगमंच का परिदृश्य

<u>**व्यावहारिक कार्य**</u>

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी पत्रकारिता के इतिहासलेखन की भूमिका
2. पत्रकारिता के विविध आयाम – वैदिक
3. भारत की समाचार-पत्र क्रांति – रॉबिन जेफ्री
4. हिंदी पत्रकारिता जातीय चेतना और खड़ी बोली साहित्य की निर्माण-भूमि : डॉ. कृष्णबिहारी मिश्र

प्रश्नपत्र-19 : <u>परियोजना कार्य</u>

परियोजना कार्य के अंतर्गत माध्यम शोध-पद्धति, विषय चयन, सामग्री संकलन, नमूना एकत्रीकरण, सर्वेक्षण, संदर्भ लेखन आदि सिखाया जाए।

इस प्रश्नपत्र में प्रत्येक विद्यार्थी को जनमाध्यम के विभिन्न क्षेत्रों से संबद्ध विषयों के दो परियोजना-कार्य करने होंगे।

1. प्रत्येक परियोजना-कार्य का आलेख लगभग 50 पृष्ठों का होगा।
2. इस प्रश्नपत्र की मौखिकी होगी। मौखिकी में दो परीक्षक होंगे – आंतरिक और बाह्य। इनकी नियुक्ति विश्वविद्यालय के नियमानुसार की जाएगी।
3. प्रत्येक परियोजना का अंक-विभाजन इस प्रकार होगा :

   लिखित कार्य — अंक 60

   मौखिकी — अंक 40
4. वर्ष के प्रारंभ में प्रत्येक विद्यार्थी के लिए परियोजना-संबंधी विषयों के निर्धारण और निर्देशक की नियुक्ति निम्नलिखित सदस्यों की समिति करेगी।

   (क) महाविद्यालय विभाग प्रभारी/संयोजक/प्राचार्य।

   (ख) संचार माध्यम/संचार से संबद्ध विभिन्न क्षेत्रों में से एक विशेषज्ञ।

   (ग) दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी-विभाग के अध्यक्ष द्वारा मनोनीत सदस्य।

प्रश्नपत्र-20 : <u>प्रशिक्षण कार्यक्रम</u>

1. तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रम की अवधि समाप्त होने के पश्चात् विद्यार्थी को जनसंपर्क, विज्ञापन और संचार माध्यमों से 15 मई से 15 जुलाई तक प्रशिक्षण लेना होगा। प्रशिक्षण के बाद विद्यार्थी को अपने कार्यानुभव का प्रतिवेदन देना होगा जिसका मूल्यांकन 100 अंक में से किया जाएगा।

प्रश्नपत्र-२१

समवर्ती पाठ्यक्रम – अनुशासन केन्द्रित–2

Choice Based Credit System (CBCS)

UNIVERSITY OF DELHI

FACULTY OF APPLIED SOCIAL SCIENCES AND HUMANITIES

UNDERGRADUATE PROGRAMME
(Courses effective from Academic Year 2015-16)

SYLLABUS OF COURSES TO BE OFFERED
Core Courses, Elective Courses & Ability Enhancement Courses

Disclaimer: The CBCS syllabus is uploaded as given by the Faculty concerned to the Academic Council. The same has been approved as it is by the Academic Council on 13.7.2015 and Executive Council on 14.7.2015. Any query may kindly be addressed to the concerned Faculty.

Undergraduate Programme Secretariat

Preamble

The University Grants Commission (UGC) has initiated several measures to bring equity, efficiency and excellence in the Higher Education System of country. The important measures taken to enhance academic standards and quality in higher education include innovation and improvements in curriculum, teaching-learning process, examination and evaluation systems, besides governance and other matters.

The UGC has formulated various regulations and guidelines from time to time to improve the higher education system and maintain minimum standards and quality across the Higher Educational Institutions (HEIs) in India. The academic reforms recommended by the UGC in the recent past have led to overall improvement in the higher education system. However, due to lot of diversity in the system of higher education, there are multiple approaches followed by universities towards examination, evaluation and grading system. While the HEIs must have the flexibility and freedom in designing the examination and evaluation methods that best fits the curriculum, syllabi and teaching–learning methods, there is a need to devise a sensible system for awarding the grades based on the performance of students. Presently the performance of the students is reported using the conventional system of marks secured in the examinations or grades or both. The conversion from marks to letter grades and the letter grades used vary widely across the HEIs in the country. This creates difficulty for the academia and the employers to understand and infer the performance of the students graduating from different universities and colleges based on grades.

The grading system is considered to be better than the conventional marks system and hence it has been followed in the top institutions in India and abroad. So it is desirable to introduce uniform grading system. This will facilitate student mobility across institutions within and across countries and also enable potential employers to assess the performance of students. To bring in the desired uniformity, in grading system and method for computing the cumulative grade point average (CGPA) based on the performance of students in the examinations, the UGC has formulated these guidelines.

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS):

The CBCS provides an opportunity for the students to choose courses from the prescribed courses comprising core, elective/minor or skill based courses. The courses can be evaluated following the grading system, which is considered to be better than the conventional marks system. Therefore, it is necessary to introduce uniform grading system in the entire higher education in India. This will benefit the students to move across institutions within India to begin with and across countries. The uniform grading system will also enable potential employers in assessing the performance of the candidates. In order to bring uniformity in evaluation system and computation of the Cumulative Grade Point Average (CGPA) based on student's performance in examinations, the UGC has formulated the guidelines to be followed.

Outline of Choice Based Credit System:

1. **Core Course:** A course, which should compulsorily be studied by a candidate as a core requirement is termed as a Core course.
2. **Elective Course:** Generally a course which can be chosen from a pool of courses and which may be very specific or specialized or advanced or supportive to the discipline/ subject of study or which provides an extended scope or which enables an exposure to some other discipline/subject/domain or nurtures the candidate's proficiency/skill is called an Elective Course.
   - **2.1 Discipline Specific Elective (DSE) Course**: Elective courses may be offered by the main discipline/subject of study is referred to as Discipline Specific Elective. The University/Institute may also offer discipline related Elective courses of interdisciplinary nature (to be offered by main discipline/subject of study).
   - **2.2 Dissertation/Project**: An elective course designed to acquire special/advanced knowledge, such as supplement study/support study to a project work, and a candidate studies such a course on his own with an advisory support by a teacher/faculty member is called dissertation/project.
   - **2.3 Generic Elective (GE) Course**: An elective course chosen generally from an unrelated discipline/subject, with an intention to seek exposure is called a Generic Elective.

     P.S.: A core course offered in a discipline/subject may be treated as an elective by other discipline/subject and vice versa and such electives may also be referred to as Generic Elective.
3. **Ability Enhancement Courses (AEC)/Competency Improvement Courses/Skill Development Courses/Foundation Course:** The Ability Enhancement (AE) Courses may be of two kinds: AE Compulsory Course (AECC) and AE Elective Course (AEEC). "AECC" courses are the courses based upon the content that leads to Knowledge enhancement. They ((i) Environmental Science, (ii) English/MIL Communication) are mandatory for all disciplines. AEEC courses are value-based and/or skill-based and are aimed at providing hands-on-training, competencies, skills, etc.
   - **3.1** AE Compulsory Course (AECC): Environmental Science, English Communication/MIL Communication.
   - **3.2** AE Elective Course (AEEC): These courses may be chosen from a pool of courses designed to provide value-based and/or skill-based instruction.

Project work/Dissertation is considered as a special course involving application of knowledge in solving / analyzing /exploring a real life situation / difficult problem. A Project/Dissertation work would be of 6 credits. A Project/Dissertation work may be given in lieu of a discipline specific elective paper.

Details of courses under B.A (Honors), B.Com (Honors) & B.Sc. (Honors)

Course	*Credits	
	Theory+ Practical	Theory + Tutorial
I. Core Course		
(14 Papers)	14X4= 56	14X5=70
Core Course Practical / Tutorial*		
(14 Papers)	14X2=28	14X1=14
II. Elective Course		
(8 Papers)		
A.1. Discipline Specific Elective	4X4=16	4X5=20
(4 Papers)		
A.2. Discipline Specific Elective Practical/ Tutorial*	4 X 2=8	4X1=4
(4 Papers)		
B.1. Generic Elective/ Interdisciplinary	4X4=16	4X5=20
(4 Papers)		
B.2. Generic Elective Practical/ Tutorial*	4 X 2=8	4X1=4
(4 Papers)		

- **Optional Dissertation or project work in place of one Discipline Specific** Elective **paper (6 credits) in 6th Semester**

III. Ability Enhancement Courses		
1. **Ability Enhancement Compulsory**		
(2 Papers of 2 credit each)	2 X 2=4	2 X 2=4
Environmental Science		
English/MIL Communication		
2. **Ability Enhancement Elective** (Skill Based)		
(Minimum 2)	2 X 2=4	2 X 2=4
(2 Papers of 2 credit each)		
Total credit	**140**	**140**

Institute should evolve a system/policy about ECA/ General Interest/Hobby/Sports/NCC/NSS/related courses on its own.

*** wherever there is a practical there will be no tutorial and vice-versa**

इस पाठ्यक्रम में प्रश्नपत्रों का Øम इस प्रकार होगा :

1. सेमेस्टर - 1
   - 1.1 जनसंचार माध्यम (Core Discipline-1)
   - 1.2 हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास (Core Discipline-2)
   - 1.3 (क) संस्कृति, साहित्य और मीडिया (Generic Elective, Any One)

     अथवा

     (ख) फोटो पत्रकारिता
   - 1.4 Language-MIL-Comm./ENGLISH, Environmental Science (AECC)

2. सेमेस्टर - 2
   - 2.1 जनसंचार माध्यमों की भाषा (Core Discipline-3)
   - 2.2 समाचार की अवधारणा और रिपोर्टिंग (Core Discipline-4)
   - 2.3 (क) फिल्म अध्ययन (Generic Elective, Any One)

     अथवा

     (ख) सोशल मीडिया
   - 2.4 Language-MIL-Comm./ENGLISH, Environmental Science (AECC)

3. सेमेस्टर - 3
   - 3.1 माध्यम कानून और आचार संहिता (Core Discipline-5)
   - 3.2 संपादन (Core Discipline-6)
   - 3.3 रेडियो (Core Discipline-7)
   - 3.4 (क) राजनीति, विचारधारा और हिन्दी मीडिया (Generic Elective, Any One)

     अथवा

     (ख) मीडिया प्रोडक्शन
   - 3.5 (क) मुद्रित माध्यमों की पृष्ठ सज्जा (Skill Enhancement Course, Any One)

     अथवा

     (ख) रेडियो कार्यक्रम और निर्माण

4. सेमेस्टर - 4

4.1 न्यू मीडिया (Core Discipline-8)

4.2 टेलीविजन (Core Discipline-9)

4.3 विकास पत्रकारिता (Core Discipline-10)

4.4 (क) पटकथा लेखन (Generic Elective, Any One)

अथवा

(ख) संचार क्रांति, वैश्विक परिदृश्य और हिन्दी मीडिया

4.5 (क) डॉक्यूमेंट्री निर्माण (Skill Enhancement Course, Any One)

अथवा

(ख) टेलीविजन कार्यक्रम : निर्माण की प्रक्रिया

5. सेमेस्टर - 5

5.1 मीडिया शोध (Core Discipline-11)

5.2 मीडिया लेखन और समाचार-पत्र निर्माण (Core Discipline-12)

5.3 हाशिए का समाज, अस्मिता विमर्श और हिन्दी मीडिया (Discipline Specific Elective-1)

5.4 जनमाध्यमों की सैद्धांतिकी (Discipline Specific Elective-2)

6. सेमेस्टर - 6

6.1 विज्ञापन और जनसंपर्क (Core Discipline-13)

6.2 परियोजना कार्य (Core Discipline-14)

6.3 मीडिया प्रबंधन (Discipline Specific Elective-3)

6.4 हिन्दी पत्रकारिता के नए आयाम (Discipline Specific Elective-4)

- एक अनिवार्य प्रश्नपत्र : आधुनिक भारतीय भाषा-संचार/अंग्रेजी
- एक अनिवार्य प्रश्नपत्र : पर्यावरण विज्ञान

<u>**कुल 26 प्रश्नपत्र**</u>

*** पाठ्यक्रम के लिए आवश्यक निर्देश :**

1. इस पाठ्यक्रम को चलाने के लिए सभी महाविद्यालयों में तकनीकी सुविधा से सम्पन्न लैब की व्यवस्था अनिवार्य है।
2. सभी प्रश्नपत्रों के परियोजना-कार्य की सी.डी. बनानी होगी।
3. सभी प्रश्नपत्रों के अध्यापन के संदर्भ में मीडियाकर्मी/विषय विशेषज्ञ/प्रशिक्षित पत्रकारों द्वारा विशेष व्याख्यान कराना आवश्यक है।

सेमेस्टर– 1

1.1 जनसंचार माध्यम (Core Discipline – 1)

1. संचार और जनसंचार
   - संचार– अर्थ, परिभाषा और महत्त्व, संचार का क्षेत्र एवं प्रकार
   - जनसंचार – अर्थ, स्वरूप, विशेषताएँ, संचार और जनसंचार का अंतर
   - जनसंचार और जनसमाज, जनसंचार तथा सूचना तकनीक
   - संचार की प्रक्रिया, प्रतिपुष्टि, नई अन्तर्राष्ट्रीय सूचना व्यवस्था और सूचना समाज

2. जनमाध्यम
   - जनमाध्यम– अर्थ, परिभाषा और महत्व
   - जनमाध्यमों के कार्य और अपेक्षाएँ
   - जनमाध्यम के प्रमुख प्रकार
   - सामाजिक परिवर्तन में जनमाध्यमों की भूमिका

3. मुद्रित माध्यम
   - मुद्रित माध्यम – सामान्य परिचय,समाचार पत्र और पत्रिकाओं का स्वरूप
   - मुद्रित माध्यमों का संगठन, स्वामित्व एवं प्रबंधन
   - संवाद समितियों की संरचना
   - समाचार–संकलन, प्रस्तुति एवं रिपोर्ट– लेखन

4. इलेक्ट्रॉनिक माध्यम
   - इलेक्ट्रॉनिक माध्यम – सामान्य परिचय
   - इलेक्ट्रॉनिक माध्यम के विविध रूप, रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा, इन्टरनेट
   - समाज और संस्कृति के विकास में इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की भूमिका
   - इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की शब्दावली

<u>व्यावहारिक कार्य</u> :

1. दिल्ली से प्रकाशित पत्र–पत्रिकाओं व जनसंचार माध्यम संबंधित पुस्तकों की सूची निर्माण
2. दिल्ली शहर में स्थित किसी एक क्षेत्र के सिनेमा हॉल व मल्टीप्लेक्स की स्थिति पर रिपोर्ट तैयार करना
3. किसी एक दैनिक हिंदी समाचार–पत्र हाऊस में स्थित आरकाईव पर रिपोर्ट तैयार करना
4. किसी एक टेलीविजन चैनल के आरकाईव पर रिपोर्ट तैयार करना

<u>संदर्भ पुस्तकें :</u>

1. जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधारा, जगदीश्वर चतुर्वेदी
2. संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र, रेमंड विलियम्स
3. जनसंचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य, जवरीमल्ल पारख
4. टेलीविजन की कहानी, श्याम कश्यप, मुकेश कुमार

1.2 हिंदी पत्रकारिता का इतिहास (Core Discipline – 2)

1. स्वतंत्रता पूर्व हिंदी पत्रकारिता

- स्वतंत्रता पूर्व की भारतीय पत्रकारिता का सामान्य परिचय, हिंदी प्रेस का उदय और परिस्थितियाँ
- स्वतंत्रता संग्राम और हिंदी पत्र – पत्रिकाओं की भूमिका, उनका सामाजिक प्रभाव
- स्वतंत्रता पूर्व हिंदी पत्र – पत्रिकाओं की तकनीक, प्रबंधन और चुनौतियां
- स्वतंत्रता पूर्व हिंदी पत्र – पत्रिकाओं में विषयगत एवं भाषागत बदलाव

2. स्वतंत्रता पश्चात हिंदी पत्रकारिता

- स्वतंत्रता पश्चात हिंदी पत्रकारिता का विकास, प्रेस संबंधी सरकारी नीतियाँ
- आजादी के बाद जनतंत्र व विकास की चुनौतियां और हिंदी प्रेस ,हिंदी प्रेस का सामाजिक प्रभाव
- आपातकाल : प्रेस और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता , क्षेत्रीय हिंदी पत्रकारिता का विकास एवं विस्तार
- प्रमुख समाचार पत्र और उनके विभिन्न संस्करण

3. 1975 से 1990 की हिंदी पत्रकारिता

- राजनैतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन और हिंदी पत्र–पत्रिकाएं
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की हिंदी पत्रकारिता
- हिंदी पत्रकारिता के कंटेंट, तकनीक, स्वामित्व, पत्रकारीय सेवा – शर्तों में बदलाव
- ले–आउट, डिजाइन, मुद्रण, भाषा में हुए परिवर्तन

4. 1990 के बाद की हिंदी पत्रकारिता

- उदारीकरण और हिंदी पत्रकारिता, डिजिटलीकरण, ऑनलाइन हिंदी पत्र –पत्रिकाओं का स्वरूप
- हिंदी पत्रकारिता का व्यासायीकरण, न्यूज़ उत्पाद, पैकेज, पेड न्यूज़, विज्ञापन और अखबार के रिश्ते
- हिंदी पत्रकारिता के समक्ष चुनौतियां एवं ज्वलंत मुद्दे : सामाजिक न्याय, नागरिक अधिकार, इंफोटेंमेंट, पर्यावरण, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, अदालत की अवमानना, स्त्री, दलित, आदिवासी एवं वंचित वर्ग के मुद्दे
- वर्तमान हिंदी पत्रकारिता में कंटेंट और भाषा के बदलाव

<u>परियोजना कार्य :</u>

1. किसी एक प्रमुख हिंदी समाचार पत्र/पत्रिका के सामाजिक प्रभाव का सर्वेक्षण और उसकी रिपोर्ट तैयार करना
2. आपातकाल और प्रेस की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अधिनियम पर एक परियोजना कार्य
3. हिंदी के प्रमुख पत्रकारों की सूची तथा उनके अवदान पर एक परियोजना कार्य
4. हिंदी के प्रमुख संपादकों की सूची तथा उनके अवदान पर एक परियोजना कार्य

<u>संदर्भ पुस्तकें :</u>

1. भारत में प्रेस, जी . एस . भार्गव
2. हिंदी पत्रकारिता का बृहद इतिहास, डा. अर्जुन तिवारी
3. भारत की समाचार पत्र क्रांति, राबिन जेफ्री
4. भारतीय प्रेस : 1955 से अब तक, शंकर भट्ट
5. मीडिया और बाजारवाद, रामशरण जोशी

6. मीडिया की परख, सुधीश पचौरी
7. पत्रकारिता के परिप्रेक्ष्य, राजकिशोर
8. मीडिया के पचास वर्ष, प्रेमचंद पातंजलि
9. हेडलाइन्स फ्रेम हार्टलैन्ड, सेवन्ती नेनन
10. सीढ़ियां चढ़ता मीडिया, माधव हाड़ा
11. सूचना क्रांति की राजनीति और विचारधारा, सुभाष धूलिया

1.3 (क) संस्कृति, साहित्य और मीडिया (Generic Elective)

1. संस्कृति : अर्थ व अवधारणा

- संस्कृति की अवधारणा, सभ्यता और संस्कृति, संस्कृति की बहुवचनीयता
- पुनरुत्थानवाद, सुधारवाद, नवजागरण, राष्ट्रवाद और संस्कृति विमर्श
- लोक संस्कृति, पॉपुलर कल्चर, संस्कृति और सत्ता, संस्कृति और राजनीति
- संस्कृति और हाशिये का समाज, इन्टरनेट और सूचना संस्कृति

2. प्रिंट मीडिया में साहित्य की उपस्थिति

- हिन्दी साहित्य और पत्रकारिता का अंतर्संबंध
- पत्र–पत्रिकाओं की भूमिका व योगदान
- हिन्दी के प्रमुख पत्रकारों, साहित्यकारों का सामान्य परिचय

3. हिन्दी मीडिया और संस्कृति

- मीडिया और संस्कृति के अन्तर्संबंध
- राष्ट्रीय और प्रादेशिक मीडिया
- मीडिया का बाज़ार और संस्कृति
- विज्ञापन का सांस्कृतिक वर्चस्व और भाषायी संकट

4. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में साहित्य की उपस्थिति

- टेलीविजन के साहित्य आधारित कार्यक्रम, धारावाहिक व टेलीफिल्में
- साहित्यिक कृतियों का सिनेमाई रूपान्तरण
- रेडियो के साहित्य आधारित कार्यक्रम, साहित्यिक कृतियों का रेडियो रूपान्तरण
- साहित्यिक ई–पत्रिकाएँ एवं साहित्यिक वेबसाइट

व्यावहारिक कार्य :

1. लोक संस्कृति की जानकारी के लिए किसी एक गाँव का सर्वे के आधार पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना
2. साहित्य आधारित किन्हीं दो फिल्मों का अध्ययन व उनकी समीक्षा
3. साहित्य आधारित किसी टेलीविजन धारावाहिक की समीक्षा
4. हिन्दी के प्रमुख साहित्यिक पत्रकारों की सूची व उनके अवदान पर एक परियोजना कार्य

संदर्भ पुस्तकें :

1. संस्कृति के चार अध्याय , रामधारी सिंह दिनकर
2. मानव और संस्कृति, श्यामाचरण दुबे
3. भारतीय चिंतन परम्परा, के. दामोदरन
4. हिन्दी सिनेमा आदि से अनंत, प्रहलाद अग्रवाल
5. हिन्दी साहित्य और सिनेमा, विवेक दुबे
6. सिनेमा और संस्कृति, राही मासूम रज़ा

7. संस्कृति, विकास और संचार क्रान्ति, पूरनचंद्र जोशी
8. संस्कृति उद्योग, टी. डबल्यू. एडोर्नो
9. कल्चर एंड द मीडिया, पॉल बॉमैन

<u>अथवा</u>

1.3 (ख) फोटो पत्रकारिता

1. फोटो पत्रकारिता : परिचय
   - फोटो पत्रकारिता : अभिप्राय एवं स्वरूप
   - फोटोग्राफी के मूलभूत सिद्धांत
   - फोटो पत्रकार के गुण और फोटोग्राफी का महत्व
   - फोटो पत्रकारिता के क्षेत्र और सम्भावनाएं

2. फोटोग्राफी का तकनीकी पक्ष
   - फोटो शूट– प्रविधि – प्रकाश– व्यवस्था, स्टूडियो के अंदर और बाहर
   - फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी : सम्पादन, स्पैशल इफेक्ट्स , डबिंग
   - कैमरे के प्रकार – डिज़िटल, स्टूडियो कैमरा, हैंडीकैम, पोर्टेबल कैमरा , मोबाइल कैमरा, कैमरे के पार्ट और उसकी संरचना , डिज़िटल कैमरे की कार्य–पद्धति
   - शॉट्स के प्रकार – रोल कैमरा, फ्रेम, शॉट, कैमरा एंगल, वाइड शॉट, लॉन्ग शॉट,मिड शॉट, क्लोज़ शॉट, क्लोज़ अप शॉट, एक्सट्रीम क्लोज़अप शॉट, टू शॉट,ओवर द शोल्डर शॉट, मूविंग शॉट, रिवर्स शॉट, ट्रैकिंग शॉट, जूम शॉट, पैन शॉट, टिल्ट शॉट, टिल्ट एंड पैन शॉट, लो एंड हाई एंगल शॉट, स्टॉक शॉट, प्वाइंट ऑफ व्यू, फेवरिंग, ट्रक फारवर्ड /बैक, फास्ट मोशन, इंसर्ट, फ्लैश, रीकैप, वॉयस ओवर, कट/कट टू, हुक, फ्रीज़, फेड इन/फेड आउट, वाइप, डिज़ाल्व, स्पिलिट स्क्रीन, ऑफ स्क्रीन, कंटीन्यूटी

3. फोटोग्राफी का रचनात्मक पक्ष
   - फोटोग्राफी का कलात्मक रूप
   - फोटोग्राफी रिसर्च
   - फोटोग्राफी की समीक्षा
   - फीचर, समाचार, रिपोर्ताज और डॉक्यूमेंट्री में फोटोग्राफी का महत्त्व

4. फोटोग्राफी का क्षेत्र और संपादन
   - विभिन्न माध्यमों के लिए फोटोग्राफी
   - फोटोग्राफी के प्रकार
   - वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी
   - फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी : सम्पादन, स्पेशल इफेक्ट्स, डबिंग

व्यावहारिक कार्य :

1. खेल या पर्यटन से सम्बंधित 10 फोटो का निर्माण
2. प्रिंट मीडिया के लिए फोटो और कैप्शन तैयार करना
3. आउट्डोर शूटिंग और पर्यटन डॉक्यूमेंट्री तैयार करना
4. किसी एक फोटो प्रदर्शनी का भ्रमण और साक्षात्कार के आधार पर एक परियोजना कार्य तैयार करना

संदर्भ पुस्तकें :

1. प्रसारण और फोटो पत्रकारिता, ओम गुप्ता
2. संचार और फोटो पत्रकारिता, रमेश मेहरा
3. कलर फोटोग्राफी, श्री शरण
4. फोटो पत्रकारिता, नवल जायसवाल
5. फोटो पत्रकारिता, सुभाष सप्रू

सेमेस्टर – 2

2.1 जनसंचार माध्यमों की भाषा (Core Discipline – 3)

1. **प्रिंट माध्यम और भाषा**
   - स्वतंत्रता पूर्व हिन्दी समाचार–पत्र एवं पत्रिकाओं का भाषाई स्वरूप
   - स्वतंत्रता पश्चात् से लेकर आपातकाल तक की भाषाई स्थिति
   - आपातकाल से लेकर 90 के दशक तक की भाषाई स्थिति
   - 90 के दशक से लेकर आज तक की भाषाई स्थिति
2. **इलेक्ट्रॉनिक (श्रव्य–दृश्य) माध्यम और भाषा**
   - रेडियो, टेलीविजन, विज्ञापन, फिल्म एवं प्रचलित गीतों की भाषा
   - न्यू मीडिया की भाषा के विविध रूप : फेसबुक, ब्लॉग, ट्विटर, मोबाइल एस.एम.एस., वॉट्स ऐप, संकेत चिन्ह
   - सोशल मीडिया और हिन्दी भाषा के प्रभाव
   - मीडिया भाषा का बदलता स्वरूप
3. **माध्यमों की भाषा तथा अनुवाद**
   - रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा, इंटरनेट तथा न्यू मीडिया में अनुवाद की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता
   - बाजार का दबाव और मीडिया की भाषा
   - वर्तमान जनमाध्यमों में बढ़ता भाषाई संकट
   - हिन्दी अखबारों के क्षेत्रीय संस्करणों की भाषा का स्वरूप

4. **जनमाध्यमों में प्रचलित तकनीकी शब्दावली की सूची**
   (यह सूची विभाग द्वारा बाद में उपलब्ध कराई जाएगी।)

व्यवहारिक कार्य

1. हिन्दी समाचार पत्र/ विभिन्न हिन्दी चैनलों के कार्यक्रमों एवं समाचारों की प्रस्तुति में से किसी एक का भाषिक अध्ययन–विश्लेषण
2. प्रूफ रीडिंग (प्रिंट–इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से उदाहरण लेकर)
3. सोशल मीडिया की भाषिक सामग्री का अध्ययन एवं उसकी प्रस्तुति
4. किसी अंग्रेजी अखबार में प्रकाशित खबर का चुनाव और उसके हिन्दी अनुवाद की प्रस्तुति

संदर्भ पुस्तकें

1. द लैंग्वेज़ ऑफ न्यू मीडिया, लेक मैनोविच
2. कल्चर मीडिया लैंग्वेज, स्टुअर्ट हाल
3. आप की दुनिया में सूचना पद्धति, मार्क पोस्टर
4. पत्रकार और पत्रकारिता–प्रशिक्षण, अरविंद मोहन
5. समाचार : अवधारणा और लेखन प्रक्रिया, सुभाष धूलिया, आनंद प्रधान
6. धुनों की यात्रा, पंकज राग

2.2 समाचार की अवधारणा और रिपोर्टिंग (Core Discipline – 4)

1. **समाचार की अवधारणा**
    - समाचार का अर्थ, परिभाषा और तत्व
    - समाचार के स्रोत और महत्व
    - समाचार संरचना, भाषा और शैली
    - समाचार लेखन के सिद्धांत
2. **रिपोर्टिंग**
    - रिपोर्टिंग की अवधारणा
    - रिपोर्टिंग के स्रोत
    - रिपोर्टिंग के प्रकार
    - रिपोर्टर के गुण और चुनौतियाँ
3. **रिपोर्ट लेखन**
    - घटनास्थल रिपोर्टिंग
    - ऑनलाइन रिपोर्टिंग
    - प्रेस ब्रीफिंग
    - शीर्षक का महत्व, प्रकार और लेखन
4. **समाचार समितियाँ**
    - प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संवाद समितियाँ
    - समाचार–समिति की संरचना
    - समितियों की रिपोर्टिंग एवं संपादन
    - बदलते परिवेश में संवाद समिति की भूमिका

व्यावहारिक कार्य :

1 विविध विषयों पर आधारित रिपोर्टिंग लेखन की प्रस्तुति
2 शीर्षक लेखन की प्रस्तुति
3 विविध प्रकार के इंट्रोलेखन की प्रस्तुति
4 समाचार–पत्र संस्थान और समाचार समिति की कार्यप्रणाली के ज्ञानहेतु भ्रमण एवं रिपोर्ट प्रस्तुति

संदर्भ पुस्तकें :

1. समाचार अवधारणा और लेखन प्रक्रिया, सं. सुभाष, धूलिया, आनंद प्रधान
2. समाचार, फीचर–लेखन एवं संपादन कला, हरिमोहन
3. संपादन कला, के.पी. नारायणन
4. आधुनिक पत्रकारिता, डॉ. अर्जुन तिवारी
5. संवाद समिति पत्रकारिता, काशीनाथ जोगलेकर

2.3 (क) फिल्म अध्ययन **(Generic Elective)**

1. सिनेमा : सामान्य परिचय
   - जनमाध्यम के रूप में सिनेमा, सिनेमा की इतिहास यात्रा
   - सिनेमा की भाषा (विज़ुअल्स और शॉट्स के आधार पर)
   - सिनेमा के प्रकार – लोकप्रिय सिनेमा,समानान्तर सिनेमा,कला सिनेमा, क्षेत्रीय सिनेमा, एनिमेशन और क्रॉसओवर
   - सिनेमा के विषय – सामाजिक,धार्मिक,ऐतिहासिक, राजनैतिक ,पारिवारिक, कॉमेडी, हॉरर

2. सिनेमा : समाजशास्त्रीय अध्ययन
   - सिनेमा अवलोकन की दृष्टियाँ
   - सिनेमा का समाज पर प्रभाव
   - सिनेमा में यथार्थ,अति– यथार्थ और यूटोपिया
   - जनमनोविज्ञान और सिनेमा

3. सिनेमा तकनीक
   - सिनेमेटोग्राफी
   - सिनेमा में पटकथा,अभिनय,संवाद,संगीत,नृत्य,निर्देशन,कैमरा,लाइट
   - भारतीय सिनेमा में गीत,संगीत और नृत्य की भूमिका
   - आधुनिक सिनेमा में स्पेशल इफेक्ट्स तकनीक

4. सिनेमा का अर्थशास्त्र और प्रबन्धन
   - सिनेमा की मार्केटिंग तकनीक
   - सिनेमा का राष्ट्रीय – अन्तर्राष्ट्रीय बाजार
   - सिनेमा समीक्षा,सेंसर बोर्ड ,सिनेमा संबंधी तकनीकी शब्दावली
   - सिनेमा प्रसारण अधिनियम

व्यावहारिक कार्य :

1. किसी एक प्रसिद्ध हिंदी फिल्म की समीक्षा
2. किसी एक प्रसिद्ध विदेशी फिल्म की समीक्षा
3. किसी एक हिंदी कला फिल्म की समीक्षा
4. किसी एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म की समीक्षा

संदर्भ पुस्तकें :

1. साझा संस्कृति,सांप्रदायिक आतंकवाद और हिन्दी सिनेमा, जवरीमल्ल पारख
2. हिन्दी सिनेमा के सौ बरस, सं. मृत्युंजय
3. सत्यजीत राय का सिनेमा, चिदानन्द दास गुप्ता
4. हिन्दी सिनेमा का समाजशास्त्र, जवरीमल्ल पारख
5. फिल्में कैसे बनती हैं, हरमल सिंह
6. सिनेमा की सोच, अजय ब्रह्मात्मज

<u>अथवा</u>

2.3 (ख) सोशल मीडिया

1. सोशल मीडिया का सामान्य परिचय
   - सोशल मीडिया : अभिप्राय व विशेषताएँ.
   - लोकतंत्र में सोशल मीडिया का महत्त्व
   - मुख्यधारा मीडिया से सम्बन्ध व अंतर
   - खबर निर्माण में सोशल मीडिया की भूमिका

2. सोशल मीडिया के प्रकार
   - विकिपीडिया
   - ब्लॉग, माइक्रोब्लॉग
   - सोशल नेट्वर्किंग साइट्स
   - ट्विटर, यू–ट्यूब, इन्स्टाग्राम, डेलीमोशन, मोबाइल

3. सोशल मीडिया के व्यावसायिक उपयोग
   - सोशल मीडिया और विज्ञापन
   - सोशल मीडिया और सेंसरशिप
   - सोशल मीडिया प्रबंधन
   - सोशल मीडिया और जनसंपर्क

4. सोशल मीडिया और समाज
   - समाज पर सोशल मीडिया का प्रभाव
   - सोशल मीडिया और विभिन्न आन्दोलन
   - सोशल मीडिया में संभावनाएँ
   - सोशल मीडिया और रचनात्मक लेखन

व्यावहारिक कार्य :

1. ब्लॉग निर्माण व लेखन
2. सोशल मीडिया के माध्यम से बनी खबरों पर एक रिपोर्ट तैयार करना
3. सोशल मीडिया के प्रभावों और लोकप्रियता का विश्लेषण (जन–सर्वेक्षण के आधार पर) एवं उसकी प्रस्तुति
4. किसी आन्दोलन विशेष में सोशल मीडिया की भूमिका पर रिपोर्ट की प्रस्तुति

संदर्भ पुस्तकें :

1. हाइपरटेक्स्ट वर्चुअल रियेलिटी और इन्टरनेट, जगदीश्वर चतुर्वेदी
2. न्यू मीडिया : इन्टरनेट की भाषाई चुनौतियां, सं. आर. अनुराधा
3. ए टू जेड ब्लॉगिंग, इरशाद अली
4. मुक्त समाज की मृगमरीचिका, नॉम चोमस्की
5. हिन्दी ब्लॉगिंग : अभिव्यक्ति की नयी क्रान्ति, अविनाश वाचस्पति, रवीन्द्र प्रभात
6. भूमंडलीकरण और मीडिया, कुमुद शर्मा

सेमेस्टर – 3

3.1 माध्यम कानून और आचार संहिता (Core Discipline – 5)

1. प्रेस की स्वतंत्रता और कानून
   - स्वतंत्रता पूर्व और स्वातंत्रयोत्तर प्रेस कानून
   - भारतीय संविधान अनुच्छेद 19(1) (a),वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
   - अनुच्छेद 19(1) (2) प्रेस पर उचित प्रतिबंध,प्रेस एवं कानून का अंतर्संबंध
   - प्रेस आयोग : रिपोर्ट एवं सिफारिशें (बछावत,पालेकर आदि),प्रेस परिषद अधिनियम 1978 : मीडिया और सेंसरशिप (भारतीय संदर्भ में)

2. अधिनियम और कानून
   - प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण अधिनियम 1867
   - बौद्धिक संपदा कानून,प्रतिलिप्याधिकार कानून 1957,पेटेन्ट कानून 1970
   - शासकीय गोपनीयता अधिनियम 1923,सूचना का अधिकार 2005
   - सामान्य अधिनियम : युवकों के लिए हानिप्रद प्रकाशन कानून 1956,महिलाओं के अशिष्ट रुपण प्रतिषेध अधिनियम 1986,श्रमजीवी पत्रकार कानून 1955

3. मीडिया कानून और समाज/राज्य
   - भारतीय दंड संहिता 1860 : मानहानि,राजद्रोह
   - संसदीय एवं विधानमंडल विशेषाधिकार,अनुच्छेद 105(संसद) एवं 194(विधानमंडल)
   - न्यायालय अवमानना अधिनियम 1971(अनुच्छेद 361)
   - माध्यम आचार संहिता : अवधारणा, आवश्यकता और व्यवहार, एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया की आचार संहिता, जनसंपर्क एवं विज्ञापन संबंधी आचार संहिता

4. इलेक्ट्रॉनिक और न्यू मीडिया कानून
   - इलेक्ट्रॉनिक और न्यू मीडिया कानून अवधारणा और महत्व, प्रसार भारती अधिनियम 1990,
   - केबल टेलीविजन नेटवर्क (नियमन) अधिनियम 1995,निजी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया चैनलों के लिए लाइसेंसिंग,अपलिंकिंग,नियमन आदि के लिए प्रावधान।
   - सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम एवं कन्वरजेन्स विधि
   - सिनेमेटोग्राफी अधिनियम 1952

व्यावहारिक कार्य :

1. किसी एक न्यायिक प्रक्रिया का अवलोकन और उसकी रिपोर्ट तैयार करना
2. संसदीय प्रक्रिया का अवलोकन और उसकी रिपोर्ट तैयार करना
3. न्यायालय की तकनीकी शब्दावली(सामान्य) तैयार करना
4. विभिन्न प्रेस कानूनों से संबंधित केस स्टडी (कॉपीराइट, पेटेन्ट, मीडिया नियंत्रण, सेंसरशिप, मानहानि, न्यायालय की अवमानना, राजद्रोह और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) पर आधारित एक परियोजना कार्य

संदर्भ पुस्तकें :

1. शासकीय गजट में प्रकाशित संबंधित अधिनियम
2. प्रेस विधि, नंद किशोर त्रिखा
3. प्रेस कानून और पत्रकारिता, संजीव भानवत
4. प्रेस विधि एवं अभिव्यक्ति स्वातंत्र्य, डॉ.हरबंस दीक्षित
5. हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम, वेद प्रताप वैदिक
6. हिंदी पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका, जगदीश्वर चतुर्वेदी
7. प्रसार भारती और प्रसारण नीति ,सुधीश पचौरी
8. जनमाध्यम : कानून एवं उत्तरदायित्व ,डॉ.श्रीकांत सिंह
9. बौद्धिक संपदा विधियाँ, ज्ञानवती धाकड
10. Freedom of press in india: Consitutional perspective, Dr. MahendraTiwari
11. Freedom of Press and Right to information in India, Dr. AmbrishSaxena

3.2 संपादन (Core Discipline – 6)

1. संपादन
   - संपादन का अर्थ, उद्देश्य और महत्त्व
   - संपादन और पुनर्लेखन
   - संपादन के सिद्धांत
   - समाचार पत्र एवं पत्रिका संपादन

2. समाचार संपादन
   - कॉपी संपादन, ऑनलाइन संपादन, पृष्ठ समाचार संपादन
   - शीर्षक लेखन के सिद्धांत
   - ग्राफिक्स, कार्टून और फोटो चयन
   - ले आउट, डिजाइन एवं पेज मेकअप

3. संपादन तकनीक
   - संपादकीय पृष्ठ की संरचना
   - संपादकीय लेखन और उनका आयोजन
   - संपादकीय नीति और स्टाइल पुस्तिका
   - संपादकीय चिह्न और पाण्डुलिपि संशोधन, प्रूफ संशोधन

4. विशेष लेखन और संपादन
   - समाचार संगठन की संरचना
   - संपादकीय विभाग का ढाँचा, संपादक एवं उपसंपादक के कार्य एवं योग्यताएँ
   - संपादकीय लेखन एवं उसका महत्त्व
   - टिप्पणी, विश्लेषण, समीक्षा संपादक के नाम पत्र

व्यावहारिक कार्य :

1. संपादकीय पृष्ठ हेतु लेखन की प्रस्तुति
2. संपादकीय पृष्ठ का डमी–निर्माण
3. संपादकीय पृष्ठ का तुलनात्मक अध्ययन और उसकी प्रस्तुति
4. प्रकाशन हेतु पुनर्लेखन की कॉपी तैयार करना

संदर्भ पुस्तकें :

1. संपादन कला, के. पी. नारायणन
2. मॉडर्न जर्नलिज्म, एम.वी. कामथ
3. समाचार–पत्र, मुद्रण और साज सज्जा, श्यामसुंदर शर्मा
4. समाचार, फीचर लेखन एवं संपादन कला, डॉ॰ हरिमोहन
5. ग्राफिक डिजाइन, नरेन्द्र सिंह यादव

3.3 रेडियो (Core Discipline – 7)

1. रेडियो प्रसारण की विकास यात्रा
    - भारतीय परिप्रेक्ष्य में रेडियो की विकास यात्रा
    - रेडियो की विशेषताएं,सीमाएं और संभावनाएं, निजीकरण एवं स्वायत्ता
    - रेडियो के प्रकार – ए एम, एफ एम, शॉर्ट वेव ,कम्यूनिटी रेडियो
    - रेडियो आर्काइव , प्रसार भारती

2. रेडियो कार्यक्रमों के लिए लेखन
    - समाचारपरक कार्यक्रमों के लिए लेखन–समाचार बुलेटिन, वार्ता, परिचर्चा
    - मनोरंजनपरक कार्यक्रमों के लिए लेखन– गीत–संगीत,खेल कूद,फिल्म,नाटक,कमेंट्री,फीचर आदि
    - विचारपरक कार्यक्रमों के लिए लेखन – आर्थिक,विज्ञान,कृषि, स्वास्थ्य,राजनीति विषय आधारित, लक्षित समूह आधारित कार्यक्रम लेखन– स्त्री ,बाल,युवा,बुजुर्ग,सैनिक, किसान आदि, क्षेत्र आधारित कार्यक्रमों के लिए लेखन –ग्राम्य, शहरी, प्रादेशिक, आदिवासी आदि
    - रेडियो विज्ञापन के लिए लेखन

3. रेडियो तकनीक व सम्पादन
    - रेडियो स्टूडियो का ढांचा व प्रकार, समाचार कक्ष– संरचना, संगठन और कार्य
    - रिकॉर्डिंग के विभिन्न उपकरण
    - रेडियो के सॉफ्टवेयर, एनालॉग, डिजिटल प्रसारण, ओ बी रिकॉर्डिंग, वॉइस ओवर, डिजिटल ऑडियो मिक्सर, पोर्टेबल ऑडियो मिक्सर
    - लाईव प्रसारण, पैकेजिंग

4. रेडियो प्रबंधन
    - आकाशवाणी, एफ एम और सामुदायिक रेडियो का प्रबंधन
    - कार्यक्रमों का विपणन और वितरण
    - सार्वजनिक सेवा, वाणिज्यिक प्रसारण और सामुदायिक रेडियो की नीति
    - संगीत प्रसारण,एफ एम प्रोद्यौगिकी और सॉफ्टवेयर के लिए कानून

व्यावहारिक कार्य :

1. 5 मिनट का रेडियो के लिए समाचार बुलेटिन तैयार करना
2. 5 मिनट का साक्षात्कार तैयार करना
3. थीम आधारित 5 जिंगल तैयार करना
4. रेडियो कार्यक्रमों की समीक्षा करना

संदर्भ पुस्तकें:

1. अंडरस्टैंडिंग रेडियो,एंड्रयू क्रिसेल
2. मेनी वायसेज वन वर्ल्ड, सीन मैक ब्राइड
3. ब्रॉडकास्टिंग एंड द पीपुल,मेहरा मसानी

4. भूमंडलीय जनमाध्यम,एडवर्ड एस हरमन
5. रेडियो लेखन,मधुकर गंगाधर
6. रेडियो वार्ताशिल्प ,डॉ सिद्धनाथ कुमार
7. ब्रॉडकास्टिंग इन इंडिया,जी सी अवस्थी
8. इंडिया ब्रॉडकास्टिंग,एच के लूथरा
9. रेडियो इन द ग्लोबल एज,डेविड हैंडी
10. द रेडियो स्टेशन,ब्रोडकॉस्ट सेटेलाइट एंड इन्टरनेट,मिसेल केथ

3.4 (क) राजनीति, विचारधारा और हिंदी मीडिया (Generic Elective)

1. लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
    - भारतीय लोकतंत्र की विशेषताएं
    - संविधान में नागरिक के अधिकार
    - मीडिया की स्वतंत्रता और उसकी प्रस्तुति
    - अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मीडिया पर उठते सवाल

2. राजनीतिक विचारधारा, समसामयिक मुद्दे और मीडिया की पक्षधरता
    - प्रमुख राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक दल
    - राजनीतिक दलों की प्राथमिकताएं और उनकी वैचारिक प्रस्तुति
    - समसामयिक प्रमुख मुद्दों पर विभिन्न राजनीतिक दलों की राय
    - राजनीतिक दलों के विचार और मीडिया की प्रस्तुति

3. जन आंदोलन और हिंदी मीडिया
    - जन आंदोलनों का स्वरूप और उनका प्रभाव
    - किसान, मजदूर आंदोलन और वैकल्पिक राजनीति
    - जेंडर का सवाल और मीडिया
    - विभिन्न क्षेत्रीय और राष्ट्रीय जन आंदोलनों की सामाजिक पृष्ठभूमि तथा मीडिया कवरेज

4. चुनाव सर्वेक्षण, जनमत निर्माण और राजनीतिक नारे
    - चुनाव, चुनाव सर्वेक्षण और हिंदी मीडिया
    - बहस और खबरों से मीडिया का जनमत निर्माण
    - चुनाव, राजनीतिक नारे और मीडिया की प्रस्तुति
    - खबरों की पक्षधरता और मीडिया की राजनीति

व्यावहारिक कार्य :

1. चुनाव सर्वेक्षण के सर्वे का नमूना–पत्र तैयार करना
2. राजनीतिक नारों की छानबीन करते हुए उसके सामाजिक प्रभाव पर एक फीचर तैयार करना
3. राजनीतिक पार्टियों के घोषणा पत्रों के आधार पर होने वाले जनमत निर्माण की छानबीन करते हुए एक फीचर तैयार करना
4. खबरों की पक्षधरता और पेड न्यूज पर एक केस स्टडी तैयार करना

संदर्भ पुस्तकें :

1. लोकतंत्र 80 प्रश्न और उत्तर, डेविड वीथम और केविन वॉयले
2. हमारा लोकतंत्र और जानने का अधिकार, अरुण पांडेय
3. लोकतंत्र के सात अध्याय, संपा. अभयकुमार दुबे
4. हमारा संविधान, सुभाष कश्यप
5. आधुनिक भारत में विचारधारा और राजनीति, विपिन चन्द्र
6. भारतीय राजनीति के अंतर्विरोध, मधु लिमये

<u>अथवा</u>

3.4 (ख) मीडिया प्रोडक्शन

1. प्रिंट मीडिया
   - लेटर प्रेस, ऑफसेट, स्क्रीन प्रिंटिंग, डेस्कटॉप पब्लिशिंग
   - टाइपोग्राफी तथा ग्राफिक कला कम्पोजिंग के प्रकार
   - समाचार पत्र–पत्रिका संरचना एवं प्रकाशन : ले आउट डिजाइनिंग, पेज मेकअप, डमी निर्माण
   - फोटोग्राफी के सामान्य सिद्धांत, फोटो चयन, कैप्शन लेखन

2. रेडियो प्रोडक्शन
   - रेडियो स्टूडियो तथा उसके उपकरण
   - रिकॉर्डिंग एवं संपादन, ध्वनि परिप्रेक्ष्य– एनालॉग तथा डिजीटल ध्वनि,मोनो,स्टीरियो तथा सराउंड साउंड की अवधारणा, लीनियर एवं नॉन लीनियर ऑडियो संपादन,मिक्सिंग और डबिंग तकनीक,वॉयस मॉड्यूलेशन
   - रेडियो कार्यक्रम निर्माण, रेडियो प्रोडक्शन टीम,विविध रेडियो कार्यक्रम और निर्माण प्रक्रिया
   - रेडियो प्रसारण, आवृति वितरण व्यवस्था,एंटीना के प्रकार,एंटीना संचालन, ट्रांसमीटर

3. टेलीविजन/वीडियो प्रोडक्शन
   - टेलीविजन स्टूडियो सेटअप और टेलीविजन प्रसारण तकनीक
   - वीडियो प्रोडक्शन प्रक्रिया : प्री प्रोडक्शन, प्रोडक्शन,पोस्ट प्रोडक्शन, वीडियो संपादन
   - टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण : प्रोडक्शन कार्मिक – प्रोडक्शन टीम, तकनीकी टीम, प्रबंधन टीम
   - कैमरा और प्रकाश व्यवस्था : वीडियो कैमरे के घटक,आधारभूत शॉट्स और उनका कम्पोजिशन,प्रकाशीय उपकरण तथा नियंत्रण

4. फिल्म एवं वेब प्रोडक्शन
   - फिल्म : अवधारणा,उद्भव और विकास (संक्षिप्त परिचय)
   - फिल्म निर्माण प्रक्रिया–निर्देशन,पटकथा,अभिनय,सिनेमेटोग्राफी,प्रोडक्शन डिजाइन,कॉस्ट्यूम और मेकअप,ध्वनि और संगीत,विशेष प्रभाव एवं संपादन
   - वेब प्रोडक्शन : वेब पोर्टल की संरचना और कार्य,वेब टीम की संरचना
   - HTML का स्वरुप एवं संरचना,वेब पेज निर्माण,हाईपर लिंक्स

व्यावहारिक कार्य :

1. ऑनलाइन समाचार पत्र–पत्रिकाओं की सूची तैयार करना
2. पोस्टर,संस्था पत्रिका,इश्तहार,ब्रोशर डिजाइन करना
3. रेडियो–समाचार बुलेटिन,समाचार वाचन,साक्षात्कार,वार्ता,फीचर,विज्ञापन में से किसी एक पर 5 मिनट की सीडी का निर्माण
4. इनडोर या आउटडोर शूटिंग का उपयोग करते हुए टेलीविजन के लिए 10 मिनट की सीडी का निर्माण

संदर्भ पुस्तकें :

1. ग्राफिक डिजाइन, नरेन्द्र सिंह यादव
2. मेनी वॉयसेज वन वर्ल्ड, सीन मैकब्राइड
3. ब्रॉडकास्टिंग एंड दी पीपुल, मेहरा मसानी
4. रेडियो लेखन, मधुकर गंगाधर
5. रेडियो–वार्ता शिल्प, डॉ.सिद्धनाथ कुमार
6. रेडियो प्रोडक्शन, रॉबर्ट मैक्लिश
7. टेलीविजन प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक रुप, रेमण्ड विलियम्स
8. दूरदर्शन डेज, भास्कर घोष
9. वीडियो प्रोडक्शन, थॉमस डी.बुरोस और लीन एस.ग्रोस
10. टेकनीक ऑफ रेडियो एंड टेलीविजन न्यूज, एन्ड्रीयू बॉयड
11. Introduction to Online journalism, Ronal Dewolk
12. New Media Technology, John Vernon Pavlik
13. New Communication Technologies: Application, Policy& Impact Focal Press, Michael M Mirabito,Barbara,Mogrenstorn

3.5 (क) मुद्रित माध्यमों की पृष्ठ–सज्जा (Skill Enhancement Course)

1. पृष्ठ–सज्जा : अवधारणा एवं परिचय
   - पृष्ठ सज्जा की अवधारणा आवश्यकता एवं महत्व
   - पृष्ठ सज्जा में आधुनिकता
   - पृष्ठ सज्जा के तत्त्व एवं सिद्धांत
   - पृष्ठ सज्जा की प्रक्रिया

2. पृष्ठ–सज्जा तकनीक
   - पृष्ठ के रूप निर्धारक तत्त्व,अंतराल सज्जा ,तानसज्जा
   - दृश्य संचार तथा रंग,टाइप के प्रकार और संयोजन
   - चार्ट, रेखाचित्र,ग्राफ और कार्टून
   - फोटोचयन, फोटो सेटिंग तकनीक ,फ़ोटो फीचर संपादन, कैप्शन एवं उप कैप्शन लेखन

3. ले आउट और डिजाइनिंग
   - समाचार पत्र की डिजाइनिंग और ले आउट के सिद्धांत
   - लेखन, संपादन और डिजाइनिंग में अंतरसंबंध
   - समाचार पत्र सज्जा, मुख पृष्ठ, आंतरिक पृष्ठ,विशेष पृष्ठों की योजना एवं डिजाइनिंग
   - ऑन लाइन अखबारों की डिजाइनिंग

4. पत्रिका डिजाइनिंग एवं संपादन
   - पत्रिका पत्रकारिता की नई प्रवृत्तियाँ
   - पत्रिका लेखन और साप्ताहिक ,पाक्षिक,मासिक पत्रिकाओं का संपादन
   - पत्रिका का ले आउट एवं डिजाइनिंग
   - ऑनलाइन पत्रिका का ले आउट, डिजाइनिंग एवं संपादन

व्यावहारिक कार्य :

1. दैनिक हिंदी समाचार पत्र के किसी एक पृष्ठ की सज्जा
2. सामाजिक/ राजनीतिक/ साहित्यिक पत्रिका के मुख पृष्ठ की सज्जा
3. ईपत्र / पत्रिका के मुख पृष्ठ की सज्जा
4. समाचार पत्र/ पत्रिकाओं की पृष्ठ सज्जा का तुलनात्मक अध्ययन

संदर्भ पुस्तकें :

1. मुद्रण एवं सज्जा, डॉ देवदत्त शर्मा,विनोद कुमार शर्मा
2. ग्राफिक डिजाइन, नरेन्द्र सिंह यादव
3. आधुनिक समाचार पत्र का मुद्रण और पृष्ठ सज्जा, श्याम सुन्दर शर्मा
4. सम्पादन कला, के. पी. नारायणन
5. फोटो पत्रकारिता, नवल जायसराम
6. मीडिया विश्वकोश, अनीस भसीन

अथवा

3.5 (ख) रेडियो कार्यक्रम और निर्माण

1. रेडियो फॉर्मेट
   - रेडियो न्यूज़ फॉर्मेट– ऑन स्पॉट, रिपोर्ट, डॉक्यूमेंट्री, डॉक्यूड्रामा, टॉक शो, आदि
   - रेडियो के लिए फोन इन कार्यक्रम
   - रेडियो कार्यक्रमों के निर्माण तत्त्व –संवाद, कथन, ध्वनि प्रभाव, संगीत और मौन
   - साउंड मिश्रण

2. रेडियो वाचन कला कौशल
   - वाचन कला कौशल
   - रेडियो वाचक – रिपोर्टर ,प्रस्तोता (Presenter),साक्षात्कार कर्त्ता, नैरेटर, समाचार वाचक,वार्ताकार की सफल वाचन कला आदि
   - उद्घोषक एवं समाचार वाचक के गुण
   - प्रमुख उद्घोषकों एवं समाचार वाचकों का संक्षिप्त परिचय

3. कार्यक्रम योजना और निर्माण प्रक्रिया
   - प्री प्रोडक्शन (Idia born, plan of action, script, Paper work)
   - प्रोडक्शन––– रिकॉर्डिंग, सम्पादन
   - पोस्ट प्रोडक्शन पब्लिसिटी, डिस्ट्रीब्यूशन
   - रेडियो स्टेशन के कार्य – स्टेशन डायरेक्टर ,स्टेशन इंजीनियर, ट्रांसमिशन स्टाफ, रेडियो अनाउंसर, आदि के कार्य ।

4. रेडियो का श्रोता मनोविज्ञान
   - कार्यक्रम निर्माण में श्रोता का महत्त्व
   - श्रोता आधारित कार्यक्रम में लक्ष्य समूह,श्रोता की भूमिका एवं प्रतिक्रिया, कार्यक्रम की टी आर पी और उसका महत्त्व
   - कार्यक्रम नियोजन में श्रोता,शोध और प्रतिपुष्टि
   - सामाजिक परिवर्तन एवं विकास में रेडियो की भूमिका

व्यावहारिक कार्य :

1. रेडियो साक्षात्कार का प्रारूप तैयार करना
2. रेडियो के लिए 5 मिनट का आंखो देखा हाल प्रस्तुत करना
3. महिला/बालक /युवा /बुजुर्ग वर्ग हेतु रेडियो कार्यक्रम की पटकथा का प्रारूप तैयार करना
4. स्वास्थ्य/राजनीति /आर्थिक /सांस्कृतिक विषय आधारित कार्यक्रम की रिपोर्टिंग और उसकी प्रस्तुति
5. रेडियो के लिए किसी एक उत्पाद का विज्ञापन निर्माण

संदर्भ पुस्तकें :

1. अंडरस्टैंडिंग रेडियो,एंड्रयू क्रिसेल
2. मेनी वायसेज वन वर्ल्ड, सीन मैकब्राइड
3. ब्रॉडकास्टिंग एंड द पीपुल,मेहरा मसानी
4. भूमंडलीय जनमाध्यम,एडवर्ड एस हरमन,राबर्ट डब्ल्यू मैन्चेस्की
5. रेडियो लेखन,मधुकर गंगाधर
6. रेडियो वार्ताशिल्प ,डॉ सिद्धनाथ कुमार
7. ब्रॉडकास्टिंग इन इंडिया,जी सी अवस्थी
8. इंडिया ब्रॉडकास्टिंग,एच के लूथरा
9. रेडियो इन द ग्लोबल एज,डेविड हैंडी
10. द रेडियो स्टेशन,ब्रोडकॉस्ट सेटेलाइट एंड इन्टरनेट, मिसेल केथ

सेमेस्टर – 4

4.1 न्यू मीडिया (Core Discipline – 8)

1. न्यू मीडिया
    - अवधारणा, विकास का इतिहास, वर्तमान समय में इन्टरनेट के विविध प्रयोग
    - हिन्दी के प्रचार–प्रसार में इन्टरनेट की भूमिका
    - शिक्षण में इन्टरनेट का उपयोग (ई–कंटेंट, वीडियो कांफ्रेंसिंग, ऑनलाइन कक्षा)
    - समाचार–स्रोत के रूप में इन्टरनेट

2. ब्लॉग
    - परिचय व इतिहास
    - उपयोगिता व महत्त्व
    - प्रमुख ब्लॉगों का अध्ययन
    - ब्लॉग निर्माण व लेखन

3. सोशल मीडिया
    - फेसबुक, ट्विटर – परिचय, महत्त्व, लोकप्रियता के आधार
    - यू–ट्यूब, व्हाट्सएप, इन्सटाग्राम – परिचय, प्रसार एवं महत्त्व
    - सोशल मीडिया का सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक परिदृश्य
    - सूचना संप्रेषण में सोशल मीडिया की भूमिका

4. वेब पोर्टल
    - सामान्य परिचय, विकास, उपयोगिता.
    - प्रमुख हिन्दी समाचार–पत्र, न्यूज़ चैनल व पत्रिकाओं के वेब पोर्टल
    - प्रमुख स्वतंत्र वेब पोर्टल
    - सोशल मीडिया और आचार–संहिता

व्यावहारिक कार्य :

1. हिन्दी के प्रमुख ब्लॉगों का स्वरुप और सामग्री की दृष्टि से अध्ययन और समीक्षा
2. किसी वेब पोर्टल की सामग्री का विश्लेषण और उसकी रिपोर्ट तैयार करना
3. ब्लॉग और ब्लॉग लेखकों की सूची तैयार करना
4. सोशल मीडिया संबंधित केस स्टडी का अध्ययन एवं उसकी रिपोर्ट तैयार करना

संदर्भ पुस्तकें :

1. अ डिक्शनरी ऑफ कंप्यूटर एंड इन्टरनेट वर्ड्स, अमेरिकन हेरिटेज डिक्शनरी रेफरेंस
2. हाइपरटेक्स्ट वर्चुअल रियेलिटी और इन्टरनेट, जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. न्यू मीडिया : इन्टरनेट की भाषाई चुनौतियां, सं. आर. अनुराधा
4. ए टू जेड ब्लागिंग, इरशाद अली
5. मुक्त समाज की मृगमरीचिका, नॉम चोमस्की
6. भूमंडलीकरण और ग्लोबल मीडिया, सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी

4.2 टेलीविजन (Core Discipline – 9)

1. **जनमाध्यम के रूप में टेलीविजन**
   - संचार माध्यम के रूप में टेलीविजन, टेलीविजन की विकास–यात्रा
   - टेलीविजन माध्यम और समाज, रेमण्ड विलियम्स, मार्शल मेक्लुहान, जॉन फिस्के, पियरे बोर्दियो तथा अन्य विचारकों के मत
   - कथानक आधारित कार्यक्रम : सोप ओपेरा, सिटकाम्स, धारावाहिक, टेलीफिल्म, टेलीप्ले
   - गैर कथानक कार्यक्रम : समाचार, टॉक शो, वृत्तचित्र, रिएलिटी शो, कॉमेडी शो, कार्टून

2. **उत्तरदायित्व एवं भूमिका**
   - दूरदर्शन एवं निजी चैनलों का संगठन और उसकी कार्य प्रणाली
   - वीडियो एडिटर और समाचार प्रस्तुतकर्ता के कार्य एवं महत्त्व
   - टेलीविजन स्टूडियो की संरचना
   - समाचार कक्ष की संरचना एवं कार्य, न्यूज़कास्ट की तैयारी, समाचार चयन, असाइनमेंट बोर्ड की कॉपी, ब्रेकिंग न्यूज एवं न्यूज़ हेडलाइन

3. **टी.वी. समाचार संकलन एवं लेखन**
   - टी.वी. समाचार स्रोत : प्रेस कॉफ्रेंस, प्रेस रिलीज, साक्षात्कार, टी.वी. एजेंसी, न्यूज़ वायर सर्विस, सरकारी सूचना एजेंसी (पी.आई.बी, पी.आई.डी.), अन्य समाचार चैनलों की मॉनिटरिंग
   - समाचार के प्रकार : खोजी समाचार, ब्रेकिंग न्यूज, क्लोअप, स्पॉट न्यूज, विशेष एवं फीचर स्टोरी।
   - टी.वी. समाचार की संरचना : एंकर रीड, वॉयस ओवर, पीस टू कैमरा, वाइट न्यूज एंगल्स, फोन इन, साउंण्ड ऑन टेप (SOT)
   - बीट रिपोर्टिंग और उसके सिद्धांत, राजनीतिक, अपराध, पर्यावरण, स्वास्थ्य, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, कला एवं संस्कृति, पेज 3, वाणिज्य

4. **टी.वी. कार्यक्रम एवं तकनीक**
   - स्क्रीन की समझ (एकल कैमरा प्रक्रिया, मल्टी कैमरा प्रक्रिया), संपादन की मशीनों का परिचय
   - स्क्रिप्ट तथा स्टोरी बोर्ड, वॉयस ओवर लेखन
   - संपादन सिद्धांत : टैंपो, ट्रान्जीशन, पाइंट ऑफ यू, कन्टीन्यूटी टाइप्स
   - संपादन : चित्र, व्याख्यान, संगीत। ऑनलाइन और ऑफलाइन एडीटिंग तकनीक एवं प्रकार

व्यवहारिक कार्य

1. टी.वी. के लिए 5 मिनट के किसी समाचार आधारित कार्यक्रम पर स्क्रिप्ट लेखन की प्रस्तुति
2. टी.वी. के लिए 5 मिनट के किसी अन्य कार्यक्रम का निर्माण एवं सी.डी. तैयार करना
3. टी.वी. चैनल का भ्रमण एवं कार्य रिपोर्ट की प्रस्तुति
4. किसी रिएलिटी शो में भागीदारी एवं उसके रिपोर्ट की प्रस्तुति

संदर्भ पुस्तकें

1. जनमाध्यमों का मायालोक, नॉम चोमस्की

2. टेलीविजन : प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक रूप, रेमण्ड विलियम्स
3. खबरें विस्तार से, श्याम कश्यप, मुकेश कुमार
4. पटकथा लेखन, मनोहरश्याम जोशी
5. टेलीविजन और अपराध पत्रकारिता, वर्तिका नन्दा

4.3 विकास पत्रकारिता (Core Discipline – 10)

1. विकास पत्रकारिता : अवधारणा, सिद्धांत और विकास का स्वरूप
    - विकास की सामाजिक अवस्था, अवधारणा और सिद्धांत
    - विकास के मॉडल, विभिन्न राजनीतिक दल और विकास का स्वरूप
    - पंचवर्षीय योजनाएं और विकास के मुद्दे
    - मैकब्राइट कमीशन और मीडिया का नजरिया

2. ग्रामीण विकास और क्षेत्रीय पत्रकारिता
    - मुख्यधारा बनाम क्षेत्रीय पत्रकारिता
    - ग्रामीण विकास, सरकारी योजनाएं और विकास पत्रकारिता
    - विकास के ढांचे में स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका
    - क्षेत्रीय पत्रकारिता के विविध रूप

3. स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यावरण क्षेत्र की पत्रकारिता
    - स्वास्थ्य क्षेत्र की पत्रकारिता और उसकी चुनौतियां
    - शिक्षा के क्षेत्र और सरकार की नीतियां
    - पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधन तथा आपदा प्रबंधन के क्षेत्र और मीडिया की खबरें
    - विकास के अंतर्विरोध और पत्रकारिता

4. असंगठित क्षेत्र की पत्रकारिता : समस्याएं और चुनौतियां
    - असंगठित क्षेत्र और सामाजिक संरचना
    - कुपोषण, गरीबी और कर्ज की खबरें
    - गांव, शहर तथा असंगठित क्षेत्र और विकास की नीतियां
    - असंगठित क्षेत्र की कवरेज और उसकी चुनौतियां

व्यावहारिक कार्य :

1. किसी एक हिंदी समाचार पत्र या पत्रिका में प्रकाशित विकास की खबरों का अध्ययन एवं उसकी प्रस्तुति
2. किसी एक हिंदी समाचार चैनल पर एक सप्ताह में प्रसारित विकास संबंधी खबरों का अध्ययन एवं उसकी प्रस्तुति
3. किसी स्वयंसेवी संगठन द्वारा किए जा रहे विकास के कार्य का अध्ययन एवं उसकी प्रस्तुति
4. ग्रामीण विकास नीतियों का किसी गांव के सर्वेक्षण के आधार पर अध्ययन एवं उसकी प्रस्तुति

संदर्भ पुस्तकें :

1. ग्राम स्वराज्य, महात्मा गांधी
2. हिन्द स्वराज, महात्मा गांधी
3. विकास का समाजशास्त्र, श्यामाचरण दुबे
4. दूरदर्शन और सामाजिक विकास, जगदीश्वर चतुर्वेदी
5. उदारीकरण और विकास का सच, संपा. उर्मिलेश
6. आजादी के बाद का भारत, विपिन चंद्र

7. लघु उद्योग : विकास के प्रोत्साहन और सुविधाएं
8. लोक स्वराज्य, जयप्रकाश नारायण
9. आंचलिक संवाददाता, सुरेश पंडित, मधुकर खेर

4.4 (क) पटकथा लेखन (Generic Elective)

1. पटकथा सामान्य परिचय
    - पटकथा : अर्थ और परिभाषा
    - पटकथा लेखन के अनिवार्य तत्व
    - पटकथा की विशेषताएँ और गुण
    - मीडिया कार्यक्रमों में पटकथा लेखन की आवश्यकता एवं महत्व

2. पटकथा लेखन तकनीक
    - पटकथा लेखन के प्रकार–फीचर फिल्म की पटकथा, वृत्तचित्र की पटकथा, धारावाहिक की पटकथा, उद्घोषक की पटकथा आदि
    - पटकथा लेखन के चरण –विचार,घटना,पात्र–योजना,दृश्य योजना, दृश्य विभाजन, संवाद लेखन, क्लाइमेक्स
    - पटकथा लेखन की शैली
    - पटकथा लेखन के विभिन्न रूप–टॉक शो,क्विज,कॉमेडी शो,साक्षात्कार

3. पटकथा और साहित्य का अन्तर्संबंध
    - साहित्यिक विधाओं का पटकथा में रूपान्तरण–कहानी,उपन्यास और नाटक
    - साहित्यिक कृतियों के पटकथा लेखन की चुनौतियाँ
    - पटकथा लेखक की योग्यताएँ
    - साहित्यिक विधाओं की पटकथा से दर्शक–श्रोता वर्ग की अपेक्षाएँ

4. मीडिया क्षेत्र और पटकथा लेखन
    - मीडिया क्षेत्र में पटकथा लेखन–कौशल विकास,प्रमुख पटकथाओं का अध्ययन
    - फिल्म आधारित पटकथाओं का अध्ययन
    - पटकथा लेखन और भाषा दक्षता
    - रेडियो तथा टेलीविजन के पटकथा लेखन का तुलनात्मक अध्ययन

व्यावहारिक कार्य :

1. रेडियो अथवा टेलीविजन कार्यक्रम के लिए पटकथा लेखन
2. लघु कथा का पटकथा में रूपांतरण और उसकी प्रस्तुति
3. किसी लाइव शो के लिए उद्घोषक के निमित्त 10मिनट की पटकथा तैयार करना
4. दो फिल्म पटकथाओं का अध्ययन और उनकी समीक्षा

संदर्भ पुस्तकें :

1. पटकथा लेखन, मनोहर श्याम जोशी
2. पटकथा लेखन, असगर वजाहत
3. हिन्दी में पटकथा लेखन, जाकिर अली रजनीश
4. टेलीविजन लेखन, असगर वजाहत ,प्रभात रंजन
5. पटकथा कैसे लिखें, राजेन्द्र पांडे
6. कथा पटकथा, मन्नू भंडारी

अथवा

4.4 (ख) संचार क्रांति, वैश्विक परिदृश्य और हिंदी मीडिया

1. सूचना समाज, संचार क्रांति और अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य
   - एशिया में उपग्रह क्रांति और सूचना समाज
   - सूचना और समाज पर पश्चिमी वर्चस्व
   - अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सूचना और उसके प्रसारण की राजनीति
   - राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय जन आंदोलन, वैकल्पिक समाज और मीडिया

2. उदारीकरण, कॉरपोरेट, मीडिया और समाज के सवाल
   - भारत में उदारीकरण और निजीकरण के मायने
   - मीडिया का कॉरपोरेटिकरण और अंतर्राष्ट्रीय दबाव
   - मुख्यधारा का मीडिया और उसकी खबरें
   - वैकल्पिक मीडिया और उसकी खबरें

3. भूमण्डलीकरण, उत्तर– आधुनिकता और मीडिया
   - भूमण्डलीकरण, बाजार और मीडिया की सैद्धांतिकी
   - उत्तर– आधुनिकता, भारतीय समाज और हिंदी मीडिया
   - जनमाध्यम और सूचना तकनीक
   - हिंदी समाज, मीडिया और प्रसारण के विभिन्न माध्यम

4. वैश्विक मुद्दे और माध्यम साम्राज्यवाद
   - माध्यम साम्राज्यवाद की सैद्धांतिकी
   - आतंकवाद, युद्ध और हथियार की राजनीति
   - पर्यावरण और अंतर्राष्ट्रीय बहस
   - समकालीन आर्थिक परिदृश्य और मीडिया

व्यावहारिक कार्य :

1. किसी एक दैनिक हिंदी समाचार पत्र के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय खबरों का अध्ययन एवं उसकी प्रस्तुति
2. राष्ट्रीय– अंतर्राष्ट्रीय मुद्दे और हिंदी सिनेमा का अध्ययन (किसी एक फिल्म के माध्यम से) एवं उसकी प्रस्तुति
3. क्षेत्रीय खबरों का सोशल वेबसाइट्स पर अंतर्राष्ट्रीयकरण और उसकी छानबीन पर एक रिपोर्ट तैयार करना
4. अंतर्राष्ट्रीय मुद्दे और मीडिया से संबंधित पुस्तकों के आधार पर एक परियोजना कार्य तैयार करना

संदर्भ पुस्तकें :

1. अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांत, के.के. मिश्रा, सुभाष शुक्ल
2. साम्राज्यवाद का दुरूस्वप्न, एजाज अहमद
3. भूमण्डलीकरण की चुनौतियां, सच्चिदानंद सिन्हा
4. भूमण्डलीकरण के भंवर में भारत, कमलनयन काबरा
5. संचार माध्यम और सांस्कृतिक वर्चस्व, हरबर्ट आई. शिलर

6. युद्ध, ग्लोबल संस्कृति और मीडिया, जगदीश्वर चतुर्वेदी
7. संस्कृति साम्राज्यवाद, संपा. रमेश उपाध्याय, संज्ञा उपाध्याय
8. विदेशी रिपोर्टिंग : सिद्धांत एवं व्यवहार, रामशरण जोशी

4.5 (क) डॉक्यूमेंट्री निर्माण (Skill Enhancement Course)

1. डॉक्यूमेन्ट्री : सामान्य परिचय
   - डॉक्यूमेंट्री : अर्थ और परिभाषा
   - डॉक्यूमेन्ट्री : महत्व और उपयोगिता
   - डॉक्यूमेंट्री की विशेषताएँ एवं गुण
   - फीचर फिल्म ,डॉक्यूड्रामा और डॉक्यूमेंट्री में अंतर

2. डॉक्यूमेंट्री : स्वरूप
   - डॉक्यूमेंट्री के विषय : सामाजिक,आर्थिक,राजनैतिक,ऐतिहासिक,शैक्षणिक,विशेष व्यक्तित्व,फिल्म,फैशन आदि
   - डॉक्यूमेन्ट्री के प्रकार
   - डॉक्यूमेन्ट्री में तथ्य और रिसर्च का महत्व
   - डॉक्यूमेंट्री में नैतिकता और मानवीय मूल्य

3. डॉक्यूमेंट्री : रचना प्रक्रिया
   - विषय निर्धारण,रिसर्च और पटकथा लेखन
   - डॉक्यूमेंट्री प्री प्रोडक्शन
   - डॉक्यूमेंट्री प्रोडक्शन
   - डॉक्यूमेंट्री पोस्ट प्रोडक्शन

4. डॉक्यूमेंट्री
   - जनसंचार माध्यम के रूप में डॉक्यूमेंट्री
   - भारतीय एवं पाश्चात्य श्रेष्ठ डॉक्यूमेन्ट्री का अध्ययन
   - सामाजिक परिवर्तन में डॉक्यूमेन्ट्री की भूमिका
   - डॉक्यूमेन्ट्री : भविष्य और संभावनाएँ

व्यावहारिक कार्य :

1. किसी एक विषय पर 5 मिनट की डॉक्यूमेंट्री निर्माण एवं उसकी प्रस्तुति
2. किसी दो डॉक्यूमेंट्री फिल्म की अध्ययन और उसकी समीक्षा
3. फिल्म–उत्सव का भ्रमण और उसकी रिपोर्ट तैयार करना
4. अलग–अलग विषयों पर तैयार डॉक्यूमेंट्री फिल्मों की सूची तैयार करना

संदर्भ पुस्तकें :

1. Documentary storytelling:CreativeNonfiction, Bernard curranShella
2. Directing theDocumentary, RabigerMichael
3. How to write aDocumentary Script, Trisha Das
4. हिन्दी में पटकथा लेखन, रजनीश अली जाकिर
5. MakingDocumentary Films and Videos:A Practical Guide to Planning, Filming and Editing a Documentaries, Hampe Barry

अथवा

4.5 (ख) टेलीविजन कार्यक्रम : निर्माण की प्रक्रिया

1. टेलीविजन : एक माध्यम के रूप में
   - टेलीविजन – महत्व और प्रभाव
   - टेलीविजन–कार्यक्रम के प्रकार एवं उनकी प्रकृति
   - टेलीविजन– समाचार–संरचना
   - टेलीविजन कार्यक्रमों के लिए पटकथा लेखन एवं निर्माण प्रविधि

2. टेलीविजन समाचार निर्माण
   - टेलीविजन समाचार रिपोर्टिंग–आधारभूत सिद्धांत एवं रचना कौशल
   - टेलीविजन समाचार–स्टोरी निर्माण एवं तकनीकी ज्ञान
   - शॉट–तकनीक,कैमरा–एंगल्स,सीन–निर्माण कला और दृश्य योजना
   - टी.वी.रिपोर्टिंग के लिए आचार संहिता

3. टेलीविजन कार्यक्रम प्रोडक्शन
   - टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण और उसकी ब्रांडिंग
   - प्री–प्रोडक्शन,प्रोडक्शन,पोस्ट–प्रोडक्शन प्रक्रिया
   - ग्राफिक्स एवं स्पेशल इफेक्टस संयोजन
   - वीडियोग्राफी, इनडोर, आउटडोर शूटिंग

4. टेलीविजन और संपादन
   - वीडियो एडिटिंग कला
   - वीडियो एडिटिंग के प्रकार
   - डिजाइनिंग– संपादन तकनीक का अभ्यास
   - टेलीविजन का अर्थशास्त्र और प्रबन्धन

व्यावहारिक कार्य :

1. कैमरा मूवमेन्टस,वीडियो कैमरा हैंडलिंग,शॉट–निर्माण और उसकी प्रस्तुति
2. विशिष्ट विषय आधारित 5 मिनट की डाक्यूमेन्टरी निर्माण और उसकी प्रस्तुति
3. 5 मिनट का साक्षात्कार निमार्ण एवं प्रस्तुति
4. 5 मिनट का समाचार बुलेटिन निर्माण एवं प्रस्तुति

संदर्भ पुस्तकें :

1. टेलीविजन प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक रूप, रेमण्ड विलियम
2. माध्यम साम्राजवाद, जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. दि टेलीविजन स्टडीज रीडर, रॉबर्टक्लाइड
4. रेडियो और टेलीविजन पत्रकारिता, डॉ हरिमोहन
5. दूरदर्शन एवं सूचना प्रौद्योगिकी, डी.डी. ओझा व ओम प्रकाश

सेमेस्टर – 5

5.1 मीडिया शोध (Core Discipline – 11)

1. शोध की अवधारणा
   - शोध का अर्थ और स्वरूप, शोध के क्षेत्र, शोध के विविध आयाम
   - शोध सीमाएं
   - शोध की विभिन्न प्रविधियों का सामान्य परिचय–गुणात्मक और मात्रात्मक प्रविधियाँ
   - सैंपलिंग की विधियाँ ,सर्वेक्षण की विधियाँ

2. माध्यम शोध
   - माध्यम शोध की संकल्पना, शोध के उपकरण, शोधकर्ता के उत्तरदायित्व
   - शोध का विषय निर्धारण, सामग्री संकलन – प्राथमिक और द्वितीयक स्रोत
   - प्रश्नावली निर्माण, उप परिकल्पना
   - आंकड़ा एकत्र करना,वर्गीकरण आंकड़ा विश्लेषित करना,चार्ट बनाना, चार्ट वर्गीकरण, चार्ट विश्लेषण, फोटो आंकड़े और सामाग्री का प्रयोग

3. विषय विश्लेषण
   - विषय का औचित्य,विषय का विस्तार
   - तथ्य – विश्लेषण
   - शोध की समस्याएँ
   - पहले किए हुये शोध कार्यों की सूचना और नामावली, प्रकाशन का ब्यौरा

4. संदर्भ लेखन
   - संदर्भ लेखन की आवश्यकता और औचित्य
   - पुस्तक,समाचार पत्र,पत्रिका से संदर्भ लेखन, रेडियो,टेलीविज़न,सिनेमा, इंटरनेट से संदर्भ लेखन, फोटो संदर्भ
   - दर्शको/पाठकों का शोध अध्ययन–ओपिनियन पोल, रिसेप्शन स्टडीज़, रेटिंग और TAM, RAM, IRS और केस स्टडीज़
   - शोध पुनर्मूल्यांकन, स्थापनाएं , निष्कर्ष और समाहार

व्यावहारिक कार्य :

1. दिये गए विषय के आधार पर प्रश्नावली तैयार करना
2. किसी एक विधि पर सर्वेक्षण करना
3. सर्वेक्षण के आधार पर प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण करना
4. ओपिनियन पोल पर आधारित एक परियोजना कार्य तैयार करना

संदर्भ पुस्तकें :

1 The Ideological Octopus :An Exploration of Television and its Audience, Justin lewis

2 सूचना समाज,अर्माण्ड मेतेलार्द

3 Data Mining Methods for the Content Analyst, Kalev Leetaru

4 How Jouranalism uses History, Martin Conboy

5 जन माध्यम, पीटर गोल्डिंग

6 अनुसंधान का स्वरूप , सावित्री सिन्हा

7 अनुसंधान की प्रक्रिया, सावित्री सिन्हा, विजयेन्द्र स्नातक

5.2 मीडिया लेखन और समाचार पत्र निर्माण (Core Discipline – 12)

1. मीडिया लेखन
   - लेखन के आधारभूत सिद्धांत, लेखन कौशल विकास के बिन्दु एवं अपेक्षाएं
   - मीडिया लेखन के क्षेत्र – फीचर , साक्षात्कार, वार्ता, संपादकीय, परिशिष्ट
   - मीडिया लेखन और भाषा– दक्षता, अनुवाद और रूपांतरण
   - स्वतंत्र–लेखन, व्यावसायिक लेखन, साहित्यिक लेखन

2. प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए लेखन
   - प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए लेखन में अंतर
   - प्रिंट माध्यमों के लिए लेखन
   - रेडियो के लिए लेखन
   - टेलीविजन के लिए लेखन

3. समाचार पत्र निर्माण प्रक्रिया
   - समाचार संकलन, समाचार स्रोत, समाचार मूल्य, समाचार लेखन
   - पृष्ठ सज्जा, डमी निर्माण
   - पेज मेकिंग , ले आउट और डिजाइनिंग
   - शीर्षक लेखन , फोटो चयन

4. संपादन एवं मुद्रण तकनीक
   - मुद्रण की तकनीक , फॉन्ट निर्धारण
   - लेखन संपादन के सॉफ्टवेयर – एम. एस. वर्ड , क्वार्क एक्सप्रेस , फोटोशॉप, पेजमेकर, कोरल ड्रॉ , इमेज सेंटर
   - समाचार सामग्री का संपादन
   - प्रूफ रीडिंग , मीडिया शब्दावली

व्यावहारिक कार्य :

1. साहित्यिक लेखन और शीर्षक लेखन की प्रस्तुति
2. फीचर , साक्षात्कार , संपादकीय लेखन की प्रस्तुति
3. 4 पृष्ठ का समाचार पत्र निर्माण एवं उसकी प्रस्तुति
4. रेडियो और टेलीविजन के लिए समाचार लेखन तैयार करना

सन्दर्भ पुस्तकें :

1. समाचार, फीचर लेखन एवं संपादन कला ,हरिमोहन
2. पत्रकारिता के परिप्रेक्ष्य, राजकिशोर
3. संपादन कला, के.पी. नारायण
4. संपादन कला, संजीव भानावत
5. समाचार पत्र, मुद्रण और साज सज्जा, श्यामसुन्दर शर्मा

5.3 हाशिए का समाज, अस्मिता विमर्श और हिंदी मीडिया (Discipline Specific Elective-1)

1. हाशिए का समाज और पहचान के सवाल
    - सामाजिक – सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और जाति के सवाल
    - वर्तमान सामाजिक ढांचे में वर्ग विभाजन
    - सामाजिक न्याय की अवधारणा और आरक्षण का सिद्धांत
    - संवैधानिक प्रावधान, विभिन्न राजनीतिक दल और हाशिए का समाज

2. जेंडर समानता और अस्मिता विमर्श
    - स्त्रीवादी आंदोलन और भारतीय समाज
    - जेंडर समानता के सवाल और माध्यमों की प्रस्तुतियां
    - थर्ड जेंडर पर बहस
    - अस्मिता विमर्श के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक आधार

3. दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक समाज तथा हिंदी मीडिया
    - दलित वर्ग की समस्याएं
    - हिंदी मीडिया की मुख्यधारा और आदिवासी समाज
    - धार्मिक अल्पसंख्यक और मीडिया का पूर्वाग्रह
    - हिंदी मीडिया की खबरें और समतामूलक समाजनिर्माण का उद्देश्य

4. सांस्कृतिक पहलू, अस्मिता विमर्श और माध्यम व्यवहार
    - विभिन्न धार्मिक, सामाजिक कार्यक्रम और हिंदी मीडिया
    - लोक संस्कृति के अन्य पहलू और हाशिए का समाज
    - जनमाध्यमों का बाजार और हाशिए का जीवन
    - मीडिया संस्कृति, खबरें और अस्मिता विमर्श

व्यावहारिक कार्य :

1. किसी एक हिंदी समाचार पत्र या पत्रिका में प्रकाशित 'हाशिए के समाज' संबंधी खबरों के आधार पर रिपोर्ट तैयार करना
2. किसी एक हिंदी समाचार चैनल में एक माह में प्रसारित 'हाशिए के समाज' संबंधी खबरों के आधार पर रिपोर्ट तैयार करना
3. हाशिए के समाज और अस्मिता विमर्श संबंधी किसी एक फिल्म/ डाक्यूमेंट्री/ धारावाहिक की समीक्षा
4. अधिकार संबंधी किसी एक आंदोलन की समीक्षा एवं उसकी प्रस्तुति

सहायक पुस्तकें :

1. भारतीय दलित आंदोलन का इतिहासए (खंड 1–2–3–4), मोहनदास नैमिशराय
2. उत्तर सदी के हिंदी कथा साहित्य में दलित विमर्श, श्यौराजसिंह बेचैन
3. आधुनिकता के आइने में दलित, संपा. अभयकुमार दुबे

4. दलित राजनीति की समस्याएं, संपा. राजकिशोर
5. भारत शूद्रों का होगा, किशन पटनायक
6. माओवाद हिंसा और आदिवासी, संपा. राजकिशोर
7. आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी, संपा. रमणिका गुप्ता
8. पूर्वोत्तर आदिवासी : सृजन, मिथक और लोक कथाएं, संपा. रमणिका गुप्ता
9. साझा संस्कृति : भारतीय फासीवाद का स्त्री प्रत्युत्तर, सुधा सिंह
10. औरत होने की सजा, अरविंद जैन
11. स्त्री अधिकारों का औचित्य साधन, मेरी वॉल्सटन क्राफ्ट
12. नारीवादी राजनीति संघर्ष एवं मुद्दे, साधना आर्य, निवेदिता मेनन
13. स्त्रीत्व का मानचित्र, अनामिका
14. खुली खिड़कियां, मैत्रेयी पुष्पा

5.4 जनमाध्यमों की सैद्धान्तिकी (Discipline Specific Elective-2)

1. जनमाध्यम–परिचय
    - जनमाध्यमों का स्वरूप और प्रकार
    - जनमाध्यमों की कार्य शैली,उद्देश्य एवं अपेक्षाएँ
    - आधुनिक जनसंचार माध्यम : अध्ययन की आवश्यकता, अध्ययन की विधियाँ
    - जनमाध्यमों की प्रस्तुति की समीक्षा

2. जनमाध्यमों की सैद्धान्तिकी
    - जनमाध्यमों की सैद्धान्तिकी –अभिप्राय एवं आवश्यकता
    - आधुनिक परिप्रेक्ष्य में जनमाध्यम सैद्धान्तिकी की उपयोगिता,जनमत–निर्माण में भूमिका
    - मनोशास्त्रीय,समाजशास्त्रीय और मार्क्सवादी सैद्धान्तिकी
    - लोकतांत्रिक भागीदारी का सिद्धान्त

3. मीडिया सिद्धान्त एवं विकास
    - संचार के प्रमुख मॉडल
    - पाश्चात्य और भारतीय मीडिया पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन
    - ग्लोबल मीडिया और वैश्विक सूचना–प्रवाह
    - उपभोक्तावादी संस्कृति के प्रभावस्वरूप मीडिया में आए बदलावों की समीक्षा

4. माध्यम–प्रभाव अध्ययन
    - मीडिया शोध,जनमाध्यम अन्तर्वस्तु विश्लेषण
    - पाठक, श्रोता, दर्शक सर्वेक्षण सम्बन्धी अध्ययन
    - फीड बैक,फीड फारवर्ड
    - गेट कीपिंग का सिद्धान्त, बुलेट सिद्धान्त

व्यावहारिक कार्य :

1. जनमाध्यम सैद्धान्तिकी आधारित एक केस स्टडी का अध्ययन एवं प्रस्तुति
2. किन्ही दो प्रिंट अथवा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की समाचार प्रस्तुति का तुलनात्मक अध्ययन एवं प्रस्तुति
3. फिल्म समीक्षा–सर्वेक्षण और प्रभाव आकलन सम्बन्धी कार्य पर एक समीक्षा प्रस्तुत करना
4. जनमत निर्माण हेतु प्रश्नावली निर्माण और उसके आधार पर सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार करना

संदर्भ पुस्तकें :

1. जनमाध्यम सैद्धान्तिकी, जगदीश्वर चतुर्वेदी
2. मास कम्यूनीकेशन, डेनिस मैक्वेल
3. कम्यूनीकेशन थ्योरिज, वॉरनर जे.सैव्रिन एन्ड जेम्स डब्लू.टांक्ररल
4. मास कम्यूनीकेशन थ्योरी एन्ड प्रेक्टिस, उमा नेरूला
5. द प्रॉसेस एन्ड एफेक्टस ऑफ मास कम्यूनीकेशन, विलवर
6. संचार माध्यमों का प्रभाव, ओम प्रकाश सिंह

सेमेस्टर – 6

6.1 विज्ञापन और जनसम्पर्क (Core Discipline -13)

1. विज्ञापन और ब्रांड
   - विज्ञापन – अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य एवं प्रकार
   - विज्ञापन के मॉडल (आइडा, डैगमर और लेविस एण्ड स्टेनर)
   - माध्यमगत विज्ञापन – वैशिष्ट्य व अन्तर
   - विज्ञापन–समाज और संस्कृति पर प्रभाव, अर्थतंत्र और ब्रांड की अवधारणा

2. विज्ञापन : भाषा और सम्प्रेषण
   - विज्ञापन में रचनात्मकता–शब्द चयन व अपील
   - विज्ञापन शीर्षक, स्लोगन व कॉपी निर्माण
   - विज्ञापनों की भाषा, भाषायी प्रयोग और आचार संहिता
   - विज्ञापन–एजेंसी संगठन, विज्ञापन–अभियान

3. जनसम्पर्क की अवधारणा, स्वरूप, सिद्धान्त और विकास
   - जनसम्पर्क का अर्थ, परिभाषा,साधन,सिद्धांत एवं अन्य विधाएँ
   - आंतरिक और बाहरी जनसम्पर्क, सरकारी और निजी क्षेत्र में जनसम्पर्क
   - जनसम्पर्क अधिकारी के कार्य, जनसम्पर्क प्रबंधन
   - जनसम्पर्क की तैयारी, जनसम्पर्क अभियान

4. जनसम्पर्क के विविध आयाम
   - जनसम्पर्क और उद्योग,जनसम्पर्क और विज्ञापन
   - संकटकालीन स्थितियों में जनसम्पर्क (प्राकृतिक आपदा और सामाजिक तनाव)
   - जनसम्पर्क और चुनाव (लोकसभा और विधानसभा)
   - जनसम्पर्क और मीडिया, जनसम्पर्क एजेंसियां (राष्ट्रीय,अंतरराष्ट्रीय)

व्यावहारिक कार्य :

1. किसी एक उत्पाद की विज्ञापन कॉपी तैयार करना (जिसमें उसके सभी आवश्यक तत्व हों)
2. किसी विज्ञापन संस्था अथवा जनसंपर्क कार्यालय का भ्रमण कर उनकी संरचना कार्य–प्रणाली का ब्यौरा तैयार करना
3. किसी एक सरकारी जनसम्पर्क विभाग के संगठन और योजना के अध्ययन की प्रस्तुति
4. किसी जनसंपर्क अधिकारी का साक्षात्कार लेते हुए चुनाव/प्राकृतिक आपदा प्रबंधन में उनकी कार्ययोजना–प्रचार अभियान पर एक परियोजना कार्य तैयार करना

संदर्भ पुस्तकें :

1. विज्ञापन की दुनिया, कुमुद शर्मा
2. विज्ञापन माध्यम एवं प्रचार, विजय कुलश्रेष्ठ
3. डिजिटल युग में मास कल्चर और विज्ञापन, सुधा सिंह एवं जगदीश्वर चतुर्वेदी
4. जनसम्पर्क प्रचार एवं विज्ञापन, विजय कुलश्रेष्ठ

5. प्रभावी जनसम्पर्क, मनोहर प्रभाकर, संजीव भानावत
6. भारत में जनसम्पर्क, डॉ बलदेव राज गुप्त
7. जनसम्पर्क प्रबंधन, कुमुद शर्मा

6.2 परियोजना कार्य(Core Discipline -14)

इस प्रश्नपत्र में प्रत्येक विद्यार्थी को जनमाध्यम के विभिन्न क्षेत्रों से संबद्ध विषय पर एक परियोजना कार्य करना होगा।

1. परियोजना कार्य लगभग 50 पृष्ठों का होगा।
2. इस प्रश्नपत्र की मौखिकी होगी।
3. मौखिकी में दो परीक्षक होंगे – आंतरिक और बाह्य। इनकी नियुक्ति विश्वविद्यालय के नियमानुसार की जाएगी।
4. वर्ष के प्रारंभ में प्रत्येक विद्यार्थी के लिए परियोजना संबंधी विषयों के निर्धारण और निर्देशक की नियुक्ति निम्नलिखित सदस्यों की समिति करेगी।

   (क) महाविद्यालय विभाग प्रभारी/ संयोजक/प्राचार्य।

   (ख) संचार माध्यम /मीडिया से संबद्ध विभिन्न क्षेत्रों में से एक विशेषज्ञ।

   (ग) अध्यक्ष, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा मनोनित सदस्य।

6.3 मीडिया प्रबंधन (Discipline Specific Elective-3)

1. मीडिया प्रबंधन
   - अर्थ, परिभाषा, महत्व और सिद्धांत
   - प्रेस काउंसिल अधिनियम
   - प्रबंधन और पूँजी नियोजन, जनसंचार माध्यमों का अर्थ शास्त्र
   - प्रबंधन विभाग, नीतियाँ और क्रियान्वयन, मीडिया प्रबंधन–कार्य एवं दायित्व

2. प्रबंधन का क्षेत्र, संगठनात्मक ढाँचा और कार्य विभाजन
   - माध्यमगत स्थापत्य संरचना
   - मीडिया स्वामित्व और प्रबंधन,
   - प्रबंधन नियंत्रण कौशल
   - राजनीतिक, आर्थिक, प्रशासनिक दबाव, समस्याएँ और चुनौतियाँ

3. प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में प्रबंधन का स्वरूप
   - प्रिंट मीडिया की प्रबंधन प्रक्रिया, समाचार पत्र और पत्रिकाओं के संदर्भ में संपादकीय प्रबंधन, मुद्रण प्रबंधन, एवं वितरण, प्रबंधन
   - इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में प्रबंधन का स्वरूप, रेडियो की प्रबंधन प्रक्रिया – (ऑल इंडिया रेडियो और एफ.एम. चैनल के संदर्भ में)
   - टेलीविज़न की प्रबंधन प्रक्रिया – (प्रोडक्शन,प्रसारण,विज्ञापन,जनसम्पर्क और केबल नेटवर्क प्रबंधन)
   - सिनेमा की प्रबंधन प्रक्रिया एवं प्रचार

4. कॉरपोरेट मीडिया का स्वरूप
   - केबल–डिजिटल नेटवर्क, वितरण एवं निवेश, प्रबंधन की आवश्यक शर्तें, कानूनी प्रावधान और आचार संहिता
   - मीडिया संस्थानों की समस्याएँ, यथार्थ और चुनौतियाँ
   - विदेशी पूँजी निवेश और पत्रकारिता के बदलते मापदंड
   - एफ.डी.आई. और मीडिया, एस.एम.एस प्रायोजित कार्यक्रमों का गणित शास्त्र

व्यावहारिक कार्य :

1. किसी मीडिया हाउस के मीडिया प्रबन्धन का अध्ययन एवं उसकी प्रस्तुति
2. किसी एक (प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक) मीडिया संस्थान के स्वामित्व एवं प्रबंधन विभाग की नीतियों का ब्यौरा प्रस्तुत करना
3. किसी समाचार पत्र अथवा पत्रिका के प्रबंधन विभाग की जानकारी प्रस्तुत करना
4. कारपोरेट मीडिया की छवि प्रस्तुति संबंधी केस स्टडी द्वारा एक रिपोर्ट तैयार करना

संदर्भ पुस्तकें :

1. Management Principles and practices, Dr Sakthivel Muruglan M
2. Media organisation Management, Beejtantra Redmond J Trager R
3. समाचार पत्र प्रबंधन, गुलाब कोठारी
4. समाचार पत्र प्रबंधन, राजेन्द्र राही
5. मंडी में मीडिया, विनीत कुमार

6.4 हिन्दी पत्रकारिता के नए आयाम (Discipline Specific Elective-4)

1. इवेंट मैनेजमेंट, स्पॉन्सरशिप और पत्रकारिता
   - इवेंट कार्यक्रम के विविध रुपः फैशन, फेस्टिवल, लांचिंग प्रोग्राम, कॉर्पोरेट इवेंट
   - इवेंट एवं स्पॉन्सरशिप के अन्तर्संबंध
   - प्रायोजित कार्यक्रमों की प्रकृति एवं मीडिया कवरेज
   - इवेंट आधारित मीडिया सामग्री एवं उसके विविध रूप

2. पर्यावरण, आपदा प्रबंधन, कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व(सीएसआर) एवं लोक प्रशासन संस्थाएं
   - पर्यावरण के विविध पक्ष एवं पत्रकारिता
   - आपदा प्रबंधनः आशय, प्रभावित जनक्षेत्र, वैधानिक पक्ष एवं मीडिया की भूमिका
   - कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्वः सामाजिक विकास, व्यावसायिक विस्तार एवं मीडिया
   - लोक प्रशासन संस्थाएं एवं मीडिया द्वारा छवि निर्मिति

3. वाणिज्य –प्रबंधन के नए क्षेत्र एवं पत्रकारिता
   - रियल एस्टेट, कॉन्ट्रेक्ट– कन्सट्रक्शन एवं उपभोक्ता मामले
   - टेक्नोलॉजी, नए उपकरण, कंपनी और मीडिया कवरेज
   - ऑटोमोबाइल, ट्रैफिक, ट्रांसपोर्ट और हिन्दी पत्रकारिता
   - जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा, उत्पाद–सेवा गारंटी योजना और पत्रकारिता

4. अपराध,हिंसा,सुरक्षा एवं छवि निर्माणः राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संदर्भ
   - अपराध एवं हिंसाः वैधानिक व्याख्या, प्रावधान एवं पत्रकारिता
   - अपराध एवं हिंसा के विविध रुपः घरेलू, स्थानीय, आतंकवाद एवं साइबर क्राइम
   - मानवाधिकार और सुरक्षा से जुड़ी राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाएं एवं मीडिया के पक्ष
   - आपराधिक घटनाओं की मीडिया कवरेज एवं छवि निर्माण

व्यावहारिक कार्य :

1. इवेंट मैनेजमेंट की प्रक्रिया को समझने हेतु किसी एक कॉर्पोरेट इवेंट, लिटरेचर, कल्चरल फेस्ट की कवरेज
2. अपने शहर के किसी एक प्रायोजित कार्यक्रम का अवलोकन एवं रिपोर्ट लेखन
3. रियल एस्टेट, शेयर या मार्केट रिस्क संबंधी निवेश के मामले पर फीचर लेखन या वीडियो निर्माण
4. पर्यावरण या आपदा प्रबंधन को लेकर किए जानेवाले किसी एक कॉर्पोरेट संस्थान के अभियान का अध्ययन एवं रिपोर्ट निर्माण(प्रिंट अथवा इलेक्ट्रॉनिक)

संदर्भ पुस्तकें :

1. दि इंडियन मीडिया बिजनेस, वनिता कोहली खांडेकर
2. फिक्की–केपीएमजी मीडिया एंड एन्टरटेन्मेंट बिजनेस रिपोर्ट(अद्यतन)
3. प्राइसवाटर कूपर मीडिया एंड एन्टरटेन्मेंट बिजनेस रिपोर्ट(अद्यतन)
4. मीडिया,कम्युनिकेशन एंड डेवलपमेंट : थ्री एप्रोचेज, लिन्ज मैनयोजो
5. सेलफोन नेशनः रॉबिन जेफ्री
6. कल्चरल स्टडीजः एन एन्थलॉजी, संपादित माइकल रेयॉन
7. योजना आयोग वार्षिक रिपोर्ट, भारत सरकार (अद्यतन)
8. भारत(अद्यतन), सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार